RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 251 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 30 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

प्रधानमंत्री चीन दौरे के लिए रवाना

जापान में की बुलेट ट्रेन की सवारी, सेमीकंडक्टर प्लांट का किया दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ से मची वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान के बाद चीन के दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। पीएम मोदी ने जापान दौरे के दूसरे दिन है। कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने टोक्यो इलेक्ट्रॉन फैक्ट्री का मुआयना किया साथ ही जापान की हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन की सवारी भी की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के साथ टोक्यो से सेंदाई तक यात्रा की। जापान के बाद आज ही पीएम मोदी चीन की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना हो गए। जहां वे एससीओ के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। चीन में पीएम मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ भी बैठकें करेंगे।

जापान दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेनडाई में सेमीकंडक्टर प्लांट का दौरा किया। इसकी पीएम मोदी ने कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इन तस्वीरों के साथ पीएम मोदी ने लिखा कि **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

रियासी और रामबन में कुदरत का कहर

कच्चा मकान गिरने से खत्म हुआ पूरा परिवार

11 की मौत

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों में तबाही कहर बरपा रही है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के साथ ही जम्मू-कश्मीर में भी कुदरत के आगे इंसान मजबूर बन गया है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी और रामबन में कुदरत ने कहर बरपाया है। शनिवार को भूस्खलन और बादल फटने से बड़ा हादसा हुआ है। दोनों हादसे में कुल 11 लोगों की मौत हो गई। रामबन में बादल फटने से चार लोगों की जान चली गई। वहीं, रियासी में भूस्खलन से एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई।

रियासी में भारी बारिश के चलते भूस्खलन होने से कच्चा मकान गिर गया। जिसमें पति, पत्नी और 5 बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई। मलबे में दबने से एक ही परिवार के सभी सदस्यों की जान चली गई। मृतकों की पहचान बिलाल अहमद पुत्र नज़ीर अहमद, (13 वर्ष), मोहम्मद मुस्तफा पुत्र नज़ीर अहमद, (11 वर्ष) मोहम्मद आदिल पुत्र नज़ीर अहमद, (8 वर्ष), मोहम्मद मुबारक पुत्र नज़ीर अहमद, (6 वर्ष) और मोहम्मद वसीम पुत्र नज़ीर अहमद, (5 वर्ष) के रूप में हुई है।

रामबन में चार की मौत, 5 लापता

उधर, रामबन में बादल फटने से चार लोगों की मौत हो गई और 5 लोग लापता हैं। लापता लोगों की तलाशी जारी है। राहत-बचाव कार्य जोरों पर चल रहा है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, राहत और बचाव दल को तुरंत प्रभावित क्षेत्र में भेजा गया है और लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि पांच व्यक्ति अभी भी लापता हैं। अचानक हुए इस बादल फटने की घटना से इलाके में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई।

मुख्यमंत्री से मिलने निकले सपाइयों को पुलिस ने रोका

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के किसानों, सेक्टरों की समस्याओं व धारा-10 की नोटिस जैसे जनता से जुड़े मुददों को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने निकले समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को नोएडा पुलिस ने रोक दिया। पुलिस द्वारा रोके जाने से नाराज सपा कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही नारेबाजी शुरू कर दी।

सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में ,नोएडा के गांवों व शहर के लोगों की सड़क, सीवर,नाली, सफाई पानी, सुरक्षा, धार-10 की नोटिस, सेक्टरों में रहने वाले वाले लोगों की समस्या, किसानों की समस्याएं ,कच्ची कालोनियों में रहने वाले लोगों की समस्या व अन्य विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने की मांग कर रहे थे। शासन प्रशासन के द्वारा उनको मिलने से रोक दिया गया। जिससे नाराज होकर नोएडा

महानगर संगठन के कई नेता सेक्टर-51 के सामने धरने पर बैठ गए। यहां नोएडा पुलिस के एसीपी फर्स्ट व एसीपी थर्ड के द्वारा महानगर संगठन का ज्ञापन लिया गया और उनकी बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाने की बात कही गई और 7 दिन **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

दबंग पड़ोसियों ने दंपति पर किया फरसे से हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के कानीगढ़ी गांव में दबंग पड़ोसियों ने दंपति के साथ मारपीट की। महिला का आरोप है कि दबंगों ने उसे जबरन उठाकर ले जाने का प्रयास किया। इस बात का विरोध करने पर उसके पति व अन्य परिजनों को फरसा मारकर घायल कर दिया। इस संबंध में महिला ने 7 नामजद व अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम कानी गढ़ी निवासी बबली (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 28 अगस्त की रात्रि को वह अपने पति अमरपाल के साथ गांव में बने घेर पर थी। दोनों पति-पत्नी अपने घर में काम कर रहे थे। इस दौरान गांव के पंकज, विनय, बृजेश, सागर, चंदर,कालू,भुल्ला व अन्य लोग जबरन उनके घर में घुस आए और गाली गलौज करने लगे। सभी आरोपियों ने जमकर शराब पी हुई थी। उसने व उसके पति ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपी **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

'नोएडा में हर साल बनेंगे 2.5 करोड़ टेम्पर्ड ग्लास'

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने टेम्पर्ड ग्लास प्लांट का किया उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। केंद्रीय रेल एवं सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज नोएडा के सेक्टर 68 में टेम्पर्ड ग्लास बनाने वाले प्लांट का किया उद्घाटन किया। इस प्लांट में हर वर्ष 2.5 करोड़ टेम्पर्ड ग्लास बनेंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान को गति दी जा रही है। आज भारत अधिकतर क्षेत्रों में **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का डीएनडी पर स्वागत करेंगे भाजपा कार्यकर्ता

सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा भी रहेंगे मौजूद

नोएडा (चेतना मंच)। आज अपराह्न 3 बजे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता डीएनडी टोल प्लाजा पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत करेंगे। यह जानकारी भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित त्यागी ने दी है।

श्री त्यागी ने बताया कि भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में रक्षामंत्री का स्वागत किया जाएगा। इस मौके पर गौतमबुद्धनगर लोकसभा के सांसद तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा तथा भाजपा के सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया भी आज नोएडा में

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आज नोएडा स्टेडियम में आयोजित होने वाली तीन दिवसीय रोबोटिक चैंपियनशिप का शुभारंभ करेंगे। इस प्रतियोगिता में 2200 से अधिक प्रतिभागियों के 150 से अधिक नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें 60 से अधिक देशों की टीमें भाग लगेंगी।

योगी के नोएडा आने से पहले चार जगह ताबड़तोड़ एनकाउंटर

गोली लगने से चार बदमाश घायल

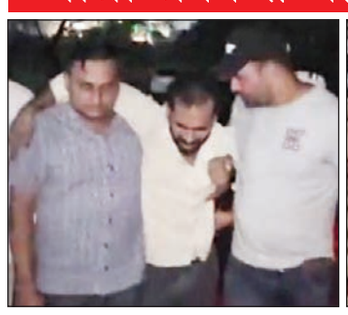

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस सक्रिय बदमाशों पर कहर बनकर टूट रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नोएडा आगमन से पहले शुक्रवार की रात बदमाशों के लिए कहर की रात साबित हुई। कमिश्नरेट के अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में चार बदमाश गोली लगने से घायल हो गए।

थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। इसके पास से तमंचा कारतूस चोरी की स्कूटी व नगदी बरामद हुई है।

नोएडा जोन के डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर-58 प्रभारी अमित कुमार पुलिस टीम के साथ एनआईबी चौकी के पास वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। पुलिस को चैकिंग करता देखकर स्कूटी सवार सर्विस रोड की तरफमुड़कर सेक्टर-62 की तरफ भागने लगा। संदेह के आधार पर पुलिसकर्मियों ने पीछा किया तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में स्कूटी सवार के पैर **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

लूट, स्नैचिंग और चोरी में माहिर बदमाश मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। थाना शालीमार गार्डन पुलिस टीम ने डीएवी कट पर चेकिंग के दौरान बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ में दो बदमाशों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में पकड़े गए बदमाश पर विभिन्न जनपदों में लूट, स्नैचिंग और चोरी से जुड़े 30 से अधिक मामले दर्ज हैं। थाना शालीमार गार्डन पुलिस टीम चैकिंग कर रही तभी मोटर साइकिल पर दो व्यक्ति लोहिया पार्क की तरफ से आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो नही रुके और अपनी मोटर साइकिल को तेजी से **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

'ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान के दांत खट्टे किए थे नोएडा में निर्मित ड्रोन ने

रक्षामंत्री व मुख्यमंत्री इसी कंपनी की नई यूनिट का आज करेंगे शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' में सेक्टर-80 स्थित राफे एम फाइबर कंपनी के निर्मित अत्याधुनिक ड्रोन ने सराहनीय भूमिका निभाई थी। मेक-इन-इंडिया तकनीक पर निर्मित इन ड्रोन ने पाकिस्तान के दांत खट्टे कर दिए थे। कंपनी के 700 से ज्यादा ड्रोन का प्रयोग आपरेशन सिंदूर के तहत किया गया। जिसने दुश्मन की लोकेशन से लेकर कई अहम रोल अदा किए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार करीब 3.40 बजे कंपनी आएंगे। यहां कंपनी द्वारा बनाए जा रहे ड्रोन में यूज

एडवांस तकनीक से वाकिफ होंगे। जिसका प्रयोग वॉर फेयर में किया जाएगा। एक घंटे के कार्यक्रम में रक्षा मंत्री और सीएम मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का भ्रमण करेंगे और ऑपरेशन सिंदूर में प्रयोग किए गए ड्रोन को भी देखेंगे। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है।

बता दें कि राफे एमफाइबर को फंडरेजिंग के जरिए 100 मिलियन डॉलर से भी अधिक यानी लगभग 850 करोड़ रुपये की फंडिंग मिली है। खास बात यह है कि इस कंपनी के ड्रोन को ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं ने इस्तेमाल किया। ड्रोन ने अपने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। राफे एम फाइबर एक भारतीय डिफेंस एंड एयरोस्पेस स्टार्टअप है। कंपनी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद ग्लोबल इन्वेस्टमेंट कंपनी जनरल कैटलिस्ट के जरिए लगभग 850 करोड़ का फंड मिला है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सलारपुर में अवैध निर्माण पर पैनी नजर रखेगी प्राधिकरण की टीमें

24X7 तैनात रहेंगी 20 अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम, रोस्टर तैयार

नोएडा (चेतना मंच)। सलारपुर में अवैध निर्माण रोकने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने 24X7 कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी है। उनके साथ पुलिसकर्मी भी मौजूद रहेंगे। नोएडा प्राधिकरण ने डयूटी रोस्टर बना दिया है। जिसमें 20 प्राधिकरण के कर्मी तथा दो पुलिसकर्मी हमेशा तैयार रहेंगे तथा अवैध निर्माण पर पैनी नजर रखेंगे।

इस टीम में वर्क सर्किल-8 के पांच प्रबंधक, एक सहायक प्रबंधक और चार अवर अभियंता भी रहेंगे। यह टीम गांच सलारपुर , हाजीपुर, भंगेल में महर्षि आदि में जमीन पर किए जा रहे अवैध निर्माण को रोकेगी। इसके तहत सोमवार को प्रबंधक दीपक कुमार के

साथ सहायक प्रबंधक सुरेंद्र कुमार और अरुण कुमार अवर अभियंता की अवैध निर्माण स्थान पर नियुक्त रहेंगे।

इसी तरह मंगलवार को प्रबंधक रोहित सिंह के साथ अवर अभियंता महेंद्र सिंह नयाल और अवर अभियंता आमिर लियाकत, बुधवार को प्रबंधक एससी तिवारी के साथ अवर अभियंता आदेश त्यागी सहायक प्रबंधक सुरेंद्र कुमार वर्मा, गुरुवार को राजीव कुमार प्रबंधक के साथ अवर अभियंता आमिर लियाकत और अवर अभियंता महेंद्र सिंनयाल शुक्रवार को दीपक कुमार प्रबंधक के साथ आमिर लियाकत और अरुण कुमार शनिवार को राजीव कुमार प्रबंधक और रविवार को एससी तिवारी के साथ अन्य अधिकारियों की नियुक्ति रहेगी।

बता दें कि सलारपुर खादर पुलिस चौकी के पीछे खसरा संख्या-723, 724 नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित व खसरा संख्या-727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752 व 753 प्राधिकरण की **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

संप्रभुता की रक्षा

रूसी कच्चा तेल खरीदने पर सबक सिखाने के मकसद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपे गए पचास फीसदी टैरिफ कल से लागू हो गए। निस्संदेह, यह भारतीय आर्थिकी की सहनशक्ति हेतु अग्निपरीक्षा है। एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा का अधिकार है। हमने दबाव में आए बिना चुनौती का मुकाबला किया है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया का उद्घोष किया है। सरकार ने फ्री ट्रेड के नाम पर भारतीय बाजार में खाद्यान्न व दुग्ध उत्पाद खपाने के अमेरिकी मंसूबों पर पानी फेरा है। भारत ने स्पष्ट किया है कि भारत किसानों, दुग्ध उत्पादकों और लघु उद्योगों के हितों से किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। इसके बावजूद आशंका है कि नये टैरिफ लगाने का कपड़ा, चमड़ा व रत्न-आभूषण जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा। जिसके चलते लाखों भारतीयों के रोजगार पर खतरा मंडरा सकता है। निस्संदेह, पचास फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय उत्पादों की लागत में काफी वृद्धि हो जाएगी, जिसके चलते वहां उपभोक्ता अन्य देशों के सस्ते उत्पाद तलाश सकते हैं। दरअसल, इन टैरिफों से भारत की दोहरी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका न केवल भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, बल्कि ऐसा साझेदार था, जिसके कारोबार का करीब 45 अरब डॉलर का अधिशेष भारत के पक्ष में था। वहीं दूसरे बड़े व्यापार साझेदार रूस व चीन के साथ हम व्यापार घाटे की स्थिति में हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से सस्ता तेल आयात कर भारत द्वारा अर्जित मौद्रिक लाभ को अमेरिका निशाने पर ले रहा है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में भारत सरकार की तात्कालिक प्राथमिकताएं कपड़ा, चमड़ा और रत्न-आभूषण के लिये निर्यात खपाने वाले वैकल्पिक बाजारों की तलाश करना होना चाहिए। इसके अलावा प्रभावित व्यावसायों को वित्तीय सहायता प्रदान करके लाखों नौकरियों को बचाने की जरूरत है। साथ ही अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को पटरी पर लाने का प्रयास हो। दरअसल, भारतीय चिंता यह है कि नये टैरिफ से अमेरिका के साथ होने वाला 66 फीसदी निर्यात प्रभावित होने जा रहा है। ऐसी स्थिति में जब अमेरिका को होने वाले बीस फीसदी भारतीय निर्यात पर टैरिफ प्रभाव दिख रहा है,तो इसका असर भारतीय अर्थव्यस्था पर होना लाजिमी है। निर्यात में कमी आने से देश में बेरोजगारी बढ़ सकती है। चिंता की बात यह है कि टैरिफ से अधिक प्रभावित होने क्षेत्र सघन श्रम वाले हैं, जिससे लाखों रोजगारों पर असुरक्षा की तलवार लटक सकती है। स्थिति साफ है कि भारतीय उद्योग इस टैरिफ के बोझ को सहन करने की क्षमता नहीं रखते। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टैरिफ युद्ध से यूरोप समेत दूसरे देश भी खासे प्रभावित हैं। उत्पादों का अतिरेक पैदा होने से कीमतों में गिरावट आ सकती है और अन्य देश भी टैरिफ लगाने को बाध्य हो सकते हैं। वहीं चीन आदि सस्ते उत्पाद बेचने वाले देशों से हमारी स्पर्धा बढ़ सकती है। वहीं टैरिफ वॉर तथा रूस-यूक्रेन युद्ध व मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से वैश्विक आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत में नये निवेश की संभावनाएं भी कम होंगी। जो भारतीय आर्थिकी की मुश्किल बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। हालांकि, प्रधानमंत्री सुधार, प्रदर्शन और बदलाव बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं, लेकिन भारत में बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों की जरूरत है। हालांकि,मोदी सरकार ने जीएसटी सुधारों की बात की है, लेकिन इससे आगे बढ़कर बड़े व तत्काल सुधारों की जरूरत है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों को आर्थिक सुधारों से ही गति मिल सकती है। जो उद्योग टैरिफ से प्रभावित हो रहे हैं उन्हें तुरंत आर्थिक मदद की जरूरत है। खास कर एमएसएमई क्षेत्र को न्यूनतम दरों पर ऋण उपलब्ध कराने की जरूरत है। निर्यातकों को तुरंत मिलने वाली आर्थिक सहायता व करों में छूट मददगार हो सकती है। हम चीन की तरह सस्ते उत्पाद बनाकर टैरिफ युद्ध को निष्प्रभावी बना सकते हैं। आर्थिक सुधारों से हम निर्यात की कीमतों व गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। निर्यात करने वाले एमएसएमई को सस्ता कर्ज देने के लिये फंड बढ़ाने की भी जरूरत है। भारत अधिक रोजगार देने वाले कृषि व गैर संगठित क्षेत्रों में सुधार लाकर अपनी आर्थिकी मजबूत कर सकता है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि श्री रघुनाथजी ने वहाँ कुछ दिन और रहकर ब्राह्मणों पर दया की। भक्ति के कारण ब्राह्मणों ने उन्हें पुराणों की बहुत सी कथाएँ कहीं, यद्यपि प्रभु सब जानते थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तब मुनि सादर कहा बुझाई। चरित एक प्रभु देखिअ जाई॥
धनुषजग्य सुनि रघुकुल नाथा। हरषि चले मुनिबर के साथा॥

तदन्तर मुनि ने आदरपूर्वक समझाकर कहा-हे प्रभो! चलकर एक चरित्र देखिए। रघुकुल के स्वामी श्री रामचन्द्रजी धनुषयज्ञ (की बात) सुनकर मुनिश्रेष्ठ विश्वामित्रजी के साथ प्रसन्न होकर चले॥

आश्रम एक दीख मग माहीं। खग मृग जीव जंतु तहँ नाहीं॥
पूछा मुनिहि सिला प्रभु देखी। सकल कथा मुनि कहा बिसेषी॥

मार्ग में एक आश्रम दिखाई पड़ा। वहाँ पशु-पक्षी, को भी जीव-जन्तु नहीं था। पत्थर की एक शिला को देखकर प्रभु ने पूछा, तब मुनि ने विस्तारपूर्वक सब कथा कही॥

दो0-गौतम नारि श्राप बस उपल देह धरि धीर।
चरन कमल रज चाहति कृपा करहु रघुबीर॥

गौतम मुनि की स्त्री अहल्या शापवश पत्थर की देह धारण किए बड़े धीरज से आपके चरणकमलों की धूलि चाहती है। हे रघुवीर! इस पर कृपा कीजिए॥

(क्रमशः...)

क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी।

ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार 'ऑपरेशन सिंदूर' की भांति करेगा।

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी।

लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा।

वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी।

यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है।

रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी। आज जिस तरह से अरब मुल्कों पर वर्चस्व को लेकर, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्चस्व को लेकर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व को लेकर, हिन्द महासागर में वर्चस्व को लेकर, यूक्रेन में वर्चस्व को लॉकर, तिब्बत पर वर्चस्व को लेकर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में वर्चस्व को लेकर अमेरिका-यूरोप और रूस-चीन के बीच तलवारें खींची रहती हैं, शह-मात के खेल चलते रहते हैं, उसके दृष्टिगत अब भारत का साथ रूस-चीन को मिलने के संकेत भर से अमेरिका और उसके यूरोपीय समर्थक देशों की परेशानी बढ़ गई है।

समझा जाता है कि अब रूस-भारत-चीन का प्रस्तावित त्रिकोण ही अमेरिका-यूरोप के देशों को उनकी लक्ष्मण रेखा बताएगा, ताकि एशिया-यूरोप में हथियार व गोला-बारूद खपाने को लेकर उनकी जो शातिर व भड़काऊ नीतियां हैं, वह बदली जा सकें। इस बारे में अब नए सिरे से उन्हें समझना होगा और जब वे समझने की कोशिश नहीं करेंगे तो फिर उसकी काट भी निकालनी होगी।

दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत हुई थी तो इसी क्रम में 'एक-चीन' नीति से संबंधित बात भी उठी थी। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री ने दावा किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अंग मान लिया है। फिर भारत के विदेश मंत्री ने उनकी कथित टिप्पणियों पर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस पर चीन ने 'आश्चर्य' व्यक्त किया है। क्योंकि भारत ने कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नयी दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं।

मैं समझता हूं कि जयशंकर ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि अभी तो मित्रता की पुन: शुरुआत हो रही है, जिसकी अग्नि परीक्षा अभी बाकी है। और फिर जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पीओके, नेपाल, भूटान, तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश, बंगलादेश, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव से जुड़े मामलों पर जब चीन के स्टैंड भारत के हितों के अनुकूल होंगे तो भारत भी उनके हितों का ख्याल रखेगा।

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं।

यही वजह है कि चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि, ''हम भारत के स्पष्टीकरण से हैरान हैं।'' वह जयशंकर की टिप्पणियों यानी भारत के स्पष्टीकरण की खबरों पर चीन के आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। दरअसल, यह स्पष्टीकरण भी तब आया जब चीनी विदेश मंत्रालय ने वांग के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत करते हुए कहा था कि ताईवान चीन का हिस्सा है।

चीनी प्रवक्ता ने दावा किया कि बीजिंग इस स्पष्टीकरण को 'तथ्यों के साथ असंगत' पाता है। ऐसा लगता है कि भारत में कुछ लोगों ने ताईवान के मुद्दे पर चीन की संप्रभुता को कमज़ोर करने और चीन-भारत संबंधों में सुधार को बाधित करने की कोशिश की है। चीन इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसका कड़ा विरोध करता है। इसलिए मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहती हूं कि दुनिया में सिर्फ़ एक ही चीन है और ताईवान चीन के भूभाग का एक अविभाज्य हिस्सा है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इस पर व्यापक सहमति है। चीन को उम्मीद है कि भारत 'एक-चीन' के सिद्धांत का गंभीरता से पालन करेगा, संवेदनशील मुद्दों को उचित ढंग से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास को बढ़ावा देगा।

उल्लेखनीय है कि अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर नयी दिल्ली पहुंचे वांग ने गत 18 अगस्त 2025 को जयशंकर के साथ बातचीत में यह मुद्दा उठाया था, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीनी पक्ष ने ताइवान का मुद्दा उठाया था। लेकिन भारतीय पक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस मुद्दे पर उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उसने इस बात पर ज़ोर दिया कि दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, भारत का ताईवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित रिश्ता है और यह आगे भी जारी रहेगा। भारतीय पक्ष ने कहा कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान के साथ सहयोग करता है।

उल्लेखनीय है कि अतीत में भी, भारत ने 'एक-चीन' नीति का समर्थन किया था, लेकिन 2011 के बाद से किसी भी द्विपक्षीय दस्तावेज़ में इस नीति को शामिल नहीं किया गया है। जबकि चीन ने अक्सर भारत से 'एक-चीन' नीति का पालन करने का आग्रह किया है। यद्यपि भारत और ताईवान के बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, फिर भी उनके द्विपक्षीय व्यापार संबंध लगातार बढ़ रहे हैं।

बता दें कि ताईवान एक स्वशासी द्वीप है जिसकी आबादी 2.3 करोड़ से अधिक है। यह दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत सेमीकंडक्टर का उत्पादन करता है, जिसमें सबसे उन्नत चिप्स शामिल हैं जो लगभग सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे स्मार्टफोन, कार के पुर्जे, डेटा सेंटर, लड़ाकू विमान और एआई तकनीकों के लिए आवश्यक हैं।

इसलिए सवाल उठता है कि जब चीन, 'एक चीन' नीति का पक्षधर है तो फिर उसे 'एक भारत' की नीति को भी मान लेना चाहिए। इसी तरह से 'एक रूस' की नीति को भी भारत-चीन द्वारा शह देना चाहिए। इसी प्रकार से 'एक इजरायल' की नीति को भी सैद्धांतिक रूप से मान्यता दे दी जाए तो विश्वव्यापी इस्लामिक कट्टरता पर भी लगाम संभव है। इससे अमेरिका-यूरोप दोनों कमजोर होंगे और रूस-भारत-चीन निरंतर मजबूत।

बता दें कि आगामी 31 अगस्त-1 सितंबर तक मोदी, पुतिन समेत दुनिया के 20 नेता एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसका नेतृत्व चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग करेंगे। तियानजिन में आयोजित होने वाला शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का शिखर सम्मेलन इस समूह के इतिहास का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन होगा। यह चीन द्वारा आयोजित पांचवां शिखर सम्मेलन है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के उनके समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के अलावा, प्रधानमंत्री मोदी और दुनिया के कई नेता इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

वहीं, तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन, उनके इंडोनेशियाई समकक्ष प्रबोवो सुबियांतो, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह आदि इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख नेता होंगे। जबकि भारतीय उपमहाद्वीप से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतानियो गुतारेस और एससीओ महासचिव नूरलान येरमेकबायेव सहित 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अधिकारी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिससे यह संगठन के इतिहास में सबसे बड़ा कार्यक्रम बन जाएगा।

बताते चलें कि चीन इस वर्ष एससीओ का अध्यक्ष है, जिसमें रूस, भारत, ईरान, कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, बेलारूस और चीन शामिल हैं। इसके अधिकतर नेतागण दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के बाद भी बीजिंग में तीन सितंबर को आयोजित होने वाली चीन की सबसे बड़ी सैन्य परेड देखने के लिए रुकेंगे। यह परेड जापानी आक्रमण के विरुद्ध चीनी जन प्रतिरोध और विश्व फासीवाद विरोधी युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की जाएगी। इसमें चीन सैन्य परेड में नयी पीढ़ी के हथियारों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन करेगा, जैसे कि चौथी पीढ़ी के टैंक और विमान, मानवरहित खुफिया और मानवरहित-उपकरण, और हाइपरसोनिक सहित उन्नत मिसाइलें।

वहीं, शी एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की 25वीं बैठक और एससीओ प्लस बैठक की अध्यक्षता करेंगे और मुख्य भाषण देंगे। शी भाग लेने वाले नेताओं के लिए एक स्वागत भोज और द्विपक्षीय कार्यक्रमों की मेजबानी करेंगे। शी चिनफिंग शंघाई सहयोग संगठन के लिए चीन के नए दृष्टिकोण और प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा करेंगे, जिसमें शंघाई भावना को आगे बढ़ाना और लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना शामिल है। शी एससीओ के विकास और व्यापक सहयोग का समर्थन करने के लिए चीन द्वारा नए उपायों और पहल की भी घोषणा करेंगे, और संगठन के लिए नए तरीकों और मार्गों का प्रस्ताव भी देंगे। शी एससीओ के अन्य सदस्य देशों के नेताओं के साथ संयुक्त रूप से एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करेंगे और उसे जारी करेंगे। इसके साथ ही वे अगले 10 वर्षों के लिए एससीओ की विकास रणनीति को मंजूरी देंगे। उम्मीद है कि इसी रणनीति में एक रूस, एक भारत और एक चीन की बात को आगे बढ़ा दिया जाएगा, अन्यथा चीन के 'एक चीन' सम्बन्धी अरमान धरे के धरे रह जाएंगे। जबकि अमेरिकी-यूरोपीय गठजोड़ को काबू में करने के वास्ते भी बहुत अवरोध आएंगे।

- कमलेश पांडेय

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष सप्तमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
थोड़ा बचकर पार करें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। कोई रिस्क न लें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। आनंददायक जीवन गुजारेंगे। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
शत्रु थोड़ा एक्टिव रहेंगे और स्वास्थ्य भी थोड़ा प्रभावित रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा रहेगा। व्यापार अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भावनाओं पर काबू रखें। प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत है। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी भी हो सकती है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धनागमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। धन हानि के संकेत हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मन चिंतित रहेगा। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा से परेशान हो सकते हैं। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय के नए सोर्स बनेंगे और पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। रुका हुआ धन वापस मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
पिता का साथ होगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यवसाय आगे बढ़ेगा। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। यात्रा का योग बनेगा।

दलित शोषण मुक्ति मंच का त्रिवार्षिक जिला सम्मेलन 31 को

नोएडा (चेतना मंच)। दलितों पर बढ़ते उत्पीड़न और 31 अगस्त को होने वाले जिला सम्मेलन की तैयारियों को लेकर दलित शोषण मुक्ति मंच, नोएडा की बैठक सेक्टर-8 स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष रमाकांत सिंह ने की।

बैठक की जानकारी देते हुए मंच के सचिव कामरेड धर्मेंद्र गौतम और उपाध्यक्ष भीखू प्रसाद ने बताया कि देश और उत्तर प्रदेश में दलितों पर अत्याचार एवं उत्पीड़न की घटनाओं में लगातार इज़ाफा हो रहा है। इसी मुद्दे पर व्यापक चर्चा और रणनीति निर्माण के लिए आगामी रविवार, 31 अगस्त 2025 को प्रातः 11 बजे से त्रिवार्षिक जिला सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन में न केवल दलितों और शोषितों पर बढ़ते हमलों पर विचार-विमर्श होगा, बल्कि आने वाले संघर्ष की रूपरेखा भी तय की जाएगी। साथ ही मंच के पिछले तीन वर्षों के कार्यों की समीक्षा, अगले तीन वर्षों की दिशा पर चर्चा तथा नई जिला कमेटी का चुनाव भी किया जाएगा।

बैठक में मंच के पदाधिकारी रमाकांत सिंह, हरकिशन सिंह, धर्मेंद्र गौतम, भीखू प्रसाद सहित सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा और राम सागर भी मौजूद रहे।

सीएम योगी के दौरे से पहले सपा नेताओं के घर पहुंची पुलिस

नोएडा (चेतना मंच)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नोएडा दौरे से पहले समाजवादी पार्टी नेताओं के घर पुलिस पहुंचने से सियासी हलचल तेज हो गई है। शुक्रवार देर रात थाना सेक्टर-142 के इंस्पेक्टर, दरोगा समेत पुलिसकर्मी सपा नेताओं के घर पहुंचे।

युवा समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव सुभाष भाटी शहदरा ने बताया कि पार्टी किसान हितों की लड़ाई लड़ रही है और नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों की शिकायत करना चाहती है, क्योंकि अब तक किसानों की एक भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

भाटी ने सवाल उठाया कि किसानों की आवाज उठाने से बीजेपी को इतना डर क्यों है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठाती रहेगी, चाहे कितना भी दबाव क्यों न बनाया जाए।

श्री श्याम गुणगान महोत्सव महोत्सव में जुटी हस्तियां

कन्हैया मित्तल के भजनों ने बांध दिया समां, देर रात तक चला कार्यक्रम

नोएडा (चेतना मंच)। श्री श्याम सेवक परिवार एवं साइनस ग्रुप के संयुक्त प्रयास से ग्रेटर नोएडा के वेंडिंग डॉट में आयोजित श्री श्याम गुणगान महोत्सव में हज़ारों श्रद्धालु उपस्थित रहे और बाबा के चरणों का दर्शन कर अपनी भक्ति का अनुभव किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष बिमला बाथम, उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता, नोएडा मीडिया के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, भाजपा के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, विधायक विनय वर्मा, डॉ. पल्लवी शर्मा, डॉ. श्रीकांत शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इसके अतिरिक्त अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष प्रदीप गोयल, पूर्व अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, संजय गोयल, अनुज गुप्ता, कुलदीप गुप्ता, फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, त्रिलोक शर्मा, भाजपा नेता रविकांत मिश्र, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष देवेंद्र गंगल, सुधीर पोरवाल, हरीश वर्मा, नरेश बंसल, राम रतन शर्मा, उप्र व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, चेयरमैन नवनीत गुप्ता समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

व्यास नारद संवाद से हुई भागवत कथा की शुरुआत

ग्रेटर नोएडा। एकल श्रीहरि बनवासी फाउंडेशन के अंतर्गत आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिवस शुक्रवार को कथा व्यास साध्वी प्रीति पाराशर जी ने कथा का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम शाम 4 बजे से 7 बजे तक श्री पीपल महादेव मंदिर, डेल्टा-1 परिसर में हुआ।

कथा में साध्वी प्रीति पाराशर जी ने व्यासङ्गनारद संवाद, महाभारत की कथा, परीक्षित का जन्म और उन्हें मिले श्राप का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि महाभारत की रचना के बाद भी व्यास जी अशांत रहे, तभी नारद मुनि उनसे मिलने आए और अपने पूर्व जन्म की तपस्वियों की सेवा व ज्ञान प्राप्ति की कथा सुनाई। नारद जी ने समझाया कि केवल धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पर ग्रंथ लिखने से मन को शांति नहीं मिलती, अपितु भगवान की भक्ति ही वास्तविक शांति का मार्ग है।

कथा में परीक्षित के जन्म का भी उल्लेख हुआ। बताया गया कि अभिमन्यु और उत्तरा के गर्भ से जन्मे परीक्षित को अश्वत्थामा के ब्रह्मास्त्र से बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने योगबल का सहारा लिया। तभी से उनका नाम परीक्षित पड़ा।

कथा के यजमान देवराज बबीता बंसल रहे। इस अवसर पर पं. नवीन हेमा शर्मा, डी.के. सरोज अरोड़ा, ममता सिंह, सरोज तोमर, सीमा बंसल, विनीता शर्मा, मीनाक्षी माहेश्वरी, रश्मि जिंदल, नीलम मिश्रा, संगीता सक्सेना, सुमन विष्ट, निशा ठाकुर, सीमा सिंह, कुलदीप शर्मा और मुकुल गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दहेज प्रथा समाज के लिए अभिशाप : चैनपाल प्रधान

नोएडा (चेतना मंच)। समाज के बुद्धिजीवियों और सामाजिक संगठनों ने दहेज प्रथा के खिलाफ आवाज़ बुलंद की है। दहेज जन-जागरूकता अभियान और सामाजिक आह्वान के तहत चैनपाल प्रधान ने कहा कि दहेज लेना और देना, दोनों ही गंभीर सामाजिक कुरीतियां हैं और यही कई परिवारों में अशांति का प्रमुख कारण बनती हैं।

उन्होंने कहा कि आज भी टीवी, अखबार, सोशल मीडिया और यूट्यूब पर दहेज के चलते बेटियों के उत्पीड़न और मौत की खबरें झकझोर कर रख देती हैं। हर बेटी की इच्छा होती है कि उसे एक अच्छा परिवार मिले, जहां उसे सम्मान और प्यार मिले, लेकिन दहेज की मांग कई घरों को बर्बादी की ओर धकेल देती है।

चैनपाल प्रधान ने बताया कि शादी में दहेज की मांग कर दोनों परिवारों को चिंता और तनाव में डाल दिया जाता है। इसके कारण कई बेटियों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पड़ते हैं, कई की हत्या कर दी जाती है और अनगिनत परिवार अदालतों के चक्कर काटते रहते हैं।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि दहेज संबंधी घटनाओं में केवल पीड़ित परिवार ही नहीं, बल्कि दहेज लेने और देने वाले दोनों पर स्वतः संज्ञान लेकर मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए।

पृष्ठ एक के शेष....

प्रधानमंत्री चीन...

'प्रधानमंत्री इशिबा और मैंने टोक्यो इलेक्ट्रॉन फैक्ट्री का दौरा किया। हम प्रशिक्षण कक्ष और उत्पादन नवाचार प्रयोगशाला गए और कंपनी के शीर्ष अधिकारियों से बातचीत की। सेमीकंडक्टर क्षेत्र भारत-जापान सहयोग का एक प्रमुख क्षेत्र है। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने इस क्षेत्र में काफी प्रगति की है। बहुत से युवा भी इससे जुड़ रहे हैं। हम आने वाले समय में भी इस गति को जारी रखना चाहते हैं।'

योगी के नोएडा आने...

में गोली लगी और वह गिर गया इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। घायल बदमाश ने अपना नाम अजय ईश्वर पुत्र ज्ञान सिंह निवासी न्यू सीलमपुर दिल्ली बताया। इसके पास से तमंचा, कारतूस, 4000 व चोरी की स्कूटी बरामद हुई। पकड़े गए अजय ईश्वर ने बताया कि वह अपने साथी अमन और विजय के साथ मिलकर चोरी की स्कूटी पर सवार होकर राहगीरों से चेन, पर्स व मोबाइल फोन छीनने की घटनाओं को अंजाम देता है। उसके पास से बरामद स्कूटी उसने दिल्ली के एक अस्पताल के बाहर से करीब 4 साल पूर्व चोरी की थी। डीसीपी ने बताया कि अमन व विजय ने 25 अगस्त को सेक्टर-62 के बी ब्लॉक मार्केट से एक व्यक्ति से उसकी चेन छीन ली थी। मुठभेड़ में घायल हुए अजय व ईश्वर पर दिल्ली के विभिन्न थानों में 8 मुकदमे पंजीकृत हैं।

डीसीपी ने बताया कि थाना सेक्टर-24 पुलिस की एआरटीओ कार्यालय के पीछे गंदे नाले पर एक बदमाश से मुठभेड़ हो गई। नाले पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थाना प्रभारी विद्युत गोयल व उनकी टीम को देखकर बाइक पर आ रहा युवक भागने लगा। पीछा करने पर उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के गोली लगी। घायल बदमाश की पहचान निखिल उर्फ वीराना उर्फ़ नितिन पुत्र लांगुरिया और सूरज निवासी दिलशाद गार्डन दिल्ली के रूप में हुई। जिसके पास से चोरी की बाइक, तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है। पकड़े गए बदमाश पर दिल्ली के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 10 मुकदमे पंजीकृत हैं।

डीसीपी ने बताया कि तीसरी मुठभेड़ थाना फेस-1 पुलिस व 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश के बीच हुई। थाना प्रभारी अमित कुमार पुलिस टीम के साथ सेक्टर-14ए नाले की पटरी पर पुलिस टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। दिल्ली की तरफ से बाइक पर आ रहे दो युवकों को पुलिस टीम में रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवारों ने अपनी बाइक मोडकर भागने का प्रयास किया। हड़बड़ी में उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। जबकि दूसरा मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

डीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान दानिश पुत्र मंजूर अली निवासी मयूर विहार थाना अशोकनगर दिल्ली के रूप में हुई। आरोपी मूल रूप से नई बस्ती कस्बा थाना शिकारपुर का रहने वाला है। इसके पास से तमंचा, कारतूस, छीने गए दो मोबाइल फोन व बाइक बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि दानिश थाना फेस-3 क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है और इस पर 25000 रूपये का इनाम घोषित था। दानिश अपने शौक को पूरा करने के लिए साथी के साथ मिलकर स्नैचिंग व लूट की घटनाओं को अंजाम देता है। पुलिस इसके फरार साथी की तलाश कर रही है।

डीसीपी ने बताया कि चौथी मुठभेड़ थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में हुई। थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ पुश्ता रोड पर चेकिंग कर रहे थे। चैकिंग के दौरान पुलिस ने एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया। बाइक सवार ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने लगा। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान रवि रंजन कुमार उर्फ बहादुर बादशाह निवासी जनपद नवादा बिहार के रूप में हुई। आरोपी हाल में गेझा गांव में रह रहा है। इसके पास से तमंचा, कारतूस, चोरी की बाइक बरामद हुई। पकडे गए बदमाश ने बताया कि उससे बरामद बाइक उसने थाना कविनगर क्षेत्र से चोरी की थी। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भेजकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

'नोएडा में हर साल बनेंगे ...

आत्मनिर्भर बन रहा है। केंद्रीय रेल एवं सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को नोएडा के सेक्टर 68 में टेम्पर्ड ग्लास बनाने वाले प्लांट ऑप्टीमस इंफ्राकॉम लि. का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण 11 सालों में बढ़ा है सभी कंपोनेंट्स भारत में बनने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक भारत में टेम्पर्ड ग्लास आयात किया जाता था। नोएडा में स्थापित हुए इस प्लांट में हर साल 2.5 करोड़ टेम्पर्ड ग्लास बनाए जाएंगे जो प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया सपने को साकार करेंगे।

के अंदर समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल को नोएडा प्राधिकरण के सीईओ से मिलवाने की बात कही गई। इस दौरान सपा नोएडा महानगर संगठन के नेताओं का पुलिस के बीच काफी बहस भी हुई। इस दौरान महासचिव विकास यादव, विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान, प्रदेश सचिव मनोज चौहान, मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, भीष्म यादव , महकार तंवर,बाबूलाल बंसल, शालिनी खारी, रानी मुखर्जी, राम सहेली, बबली शर्मा, टीटू यादव, तनवीर हुसैन, मोहित यादव, साहिल चौधरी, सतवीर यादव, रोहित यादव, बिल्लू सैफी, सुरेंद्र कुमार,ज्ञानेंद्र यादव, नरेश कुमार, दीपक कुमार,शिव कुमार यादव, संदीप चौधरी, नेहा पांडे, मयंक कुमार लाल, विश्वास, सुरेंद्र कुमार, साहिल चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दबंग पड़ोसियों ने दंपत्ति....

जबरन उसे उठाकर ले जाने का प्रयास करने लगे। शोर-शराब सुनकर उसके परिजन भी घेर में पहुंच गए और उन्हें आरोपियों के चंगुल से बचने का प्रयास किया। सभी दबंग आरोपियों ने लाठी डंडों व फरसा से उन पर हमला बोल दिया। बबली के मुताबिक आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से उसके पति को फरसा मारकर घायल कर दिया और उसे कई जगह से दांतों से काट लिया। दबंग आरोपियों ने उसके परिजन राजेंद्र, शीशपाल, दीपक, महेश, मनीष, गुड्डी, जल सिंह को मारपीट कर घायल कर दिया। इस दौरान गांव के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इसके बाद सभी आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी का कहना है कि महिला की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

लूट, स्नैचिंग और चोरी...

मोड़कर भागने लगे। पुलिस भाग रहे व्यक्तियों का पीछा किया गया तो मोटर साइकिल सवार कूड़े के ढेर के आगे फिसल कर गिर गए और पुलिस पार्टी को पीछे आता देख भाग रहे बदमाशों द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से सीधा फायर किया गया। पुलिस द्वारा जवाबी कार्यवाही में भाग रहे बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने घायल बदमाशों को पकड़ लिया जिनकी पहचान कल्लू उर्फ कृष्ण पुत्र मेहरचन्द निवासी शरीफाबाद राजपुर पोस्ट फरूखनगर तहशील लोनी थाना टीलामोड कमि0 गाजियाबाद उम्र करीब 36 वर्ष व घायल बदमाश ने अपना नाम जोगिंदर बली पुत्र ओमप्रकाश पता ग्राम बली तहसील बागपत थाना बागपत उम्र करीब 46 वर्ष। जिनके कब्जे से 1 पिस्टल, 4 जिन्दा कारतूस, 1 खोखा कारतूस व 1 तमंचा, 1 खोखा कारतूस, 1 जिंदा कारतूस व 1 मोटर साइकिल बरामद हुआ।

सलारपुर में अवैध निर्माण...

अधिसूचित व अर्जित भूमि है। यहां पर अवैध रुप से 60 से ज्यादा इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। इसमें वन बीएचके से लेकर 2 और 3 बीएचके फ्लैट है। जिनकी कीमत करीब 30 से 65 लाख तक है। अधिकांश की बुकिंग हो चुकी है। प्राधिकरण की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ यहां पर डेवलपर को नोटिस जारी करते हुए इमारतों पर नोटिस चस्पा किए थे। इन लोगों ने नोटिस को हटा दिया और चोरी छिपे निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। अब प्राधिकरण इन डेवलपर के खिलाफ भूमाफिया के तहत एक्शन लेने जा रही है। साथ ही यहां किसी प्रकार का निर्माण न किया जाए इसके लिए टीम गठित की गई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में...

सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। इसके लिए करीब ढाई हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात होंगे। इनमें पीएसी से लेकर लगभग एक हजार पुलिसकर्मी आसपास के कमिश्नरेट के होंगे। मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर पुलिस अधिकारियों की लगातार बैठकें हो रही हैं और सुरक्षा प्लान को फुलप्रूफ बनाया जा रहा है। इसके अलावा यातायात व्यवस्था बनाने के लिए भी योजना तैयार की जा रही है, ताकि वाहन आसानी से निकल सकें। सुरक्षा व्यवस्था में ढाई हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना संख्या सीएसपी-केएसएफ_02_2025-26
संख्या सीएसपी-केएसएफ_02_2025-26 दिनांक 28.08.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य अभियंता / टीएसपी, उत्तर रेलवे, मुख्यालय कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली-110001 ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली के माध्यम से निम्नलिखित निविदा आमंत्रित करते हैं :

क्रम सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	निविदा दस्तावेज की कीमत (रुपये में)	बयाना राशि (रुपये में)	अनुमानित निविदा मूल्य (रुपये में)	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	समापन की अवधि
1	सीएसपी-केएसएफ_02_2025-26	आयामी आवश्यकता के अनुसार पीएससी स्लीपरों के उत्पादन के लिए विभिन्न गतिविधियों का निष्पादन, जिसमें परीक्षण और अग्रणी बिंदु तक ले जाना तथा बीएफआर और ट्रकों आदि में लोडिंग करना शामिल है, जिसमें अनुमोदित स्रोतों से रोड़ी और बालू की आपूर्ति और कंक्रीट स्लीपर प्लांट, खालिसपुर, वाराणसी में स्लीपरों के उत्पादन के लिए आवश्यक परिसंपत्तियों का रखरखाव शामिल है।	कुछ नही	6,44,000/-	98794290.48	01.10.2025 को 15:00 बजे	24 माह

नोट: उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट टेंडर की संपूर्ण जानकारी "www.ireps.gov.in" वेबसाइट पर उपलब्ध है। 2620/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ओमेगा-1 (पी-2), ग्रेटर नोएडा,
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com
पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख/946/2025 दिनांक: 26.08.2025

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपसी सहमति के आधार पर काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है। क्रय हेतु काश्तकार, गाटा संख्या, क्षेत्रफल व काश्तकार का हिस्सा निम्नलिखित तालिका में अंकित है-

(सैक्टर-29, ग्राम-करौली बांगर)

क्र. सं.	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे. में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
1.	224	450	1.1090	में से	0.1848	कुसुम पत्नी जुगेन्द्र सिंह निवासी ग्राम नगला हुकम सिंह मजरा करौली बांगर, तहसील जेवर, गौतमबुद्धनगर।
2.	224	450	1.1090	में से	0.1848	नवीन कुमार पुत्र जुगेन्द्र सिंह निवासी ग्राम नगला हुकम सिंह मजरा करौली बांगर, तहसील जेवर, गौतमबुद्धनगर।
3.	224	450	1.1090	में से	0.1848	विपिन कुमार पुत्र जुगेन्द्र सिंह निवासी ग्राम नगला हुकम सिंह मजरा करौली बांगर, तहसील जेवर, गौतमबुद्धनगर।
4.	294	187	0.7100	में से	0.0451	राजेन्द्र सिंह पुत्र श्यौदान सिंह निवासी ग्राम नगला हुकम सिंह मजरा करौली बांगर, तहसील जेवर, गौतमबुद्धनगर।
5.	224	450	1.1090	में से	0.1697	सुरेश देवी पत्नी देवेन्द्र सिंह व रविन कुमार पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी ग्राम नगला हुकम सिंह मजरा करौली बांगर, तहसील जेवर, गौतमबुद्धनगर।
6.	224	450	1.1090	में से	0.0848	प्रवीन सिवाच पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी ग्राम नगला हुकम सिंह मजरा करौली बांगर, तहसील जेवर, गौतमबुद्धनगर। हाल नि. सुखसागर कालौनी, सिरसा, हरियाणा।

प्रस्तावित भूमि प्राधिकरण के नियोजित सै. 29 के अन्तर्गत होने के कारण क्रय हेतु प्रस्तावित है।
• उक्त भूमि को क्रय करने हेतु तालिका में अंकित काश्तकारो द्वारा सहमति प्रदान की गयी है जिसके क्रम में प्राधिकरण द्वारा उक्त भूमि आपसी सहमति के आधार पर क्रय की जानी प्रस्तावित है।
• प्रस्तावित भूमि को प्राधिकरण की 84वीं बोर्ड बैठक की मद संख्या 03 के अनुसार रूपये 3808.00/प्रति वर्ग मी. की दर से सम्बन्धित भूस्वामी के पक्ष में भुगतान किया जाएगा व 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड आवटित किया जाएगा।
उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिवस के अंदर यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के कार्यालय/सी.आर.सैल में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेष कार्याधिकारी, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

हॉकी एशिया कप: चीन को हराकर भारत की एशिया कप में धमाकेदार शुरुआत, हरमनप्रीत की हैट्रिक

राजगीर (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन पुरुष हॉकी टीम के एशिया कप के पहले मैच में कमजोर चीन के खिलाफ प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं है लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि टीम ने अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। विश्व रैंकिंग में सातवें पायदान पर काबिज भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में 23वें नंबर के चीन के खिलाफ 4-3 की संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की।

फुल्टन ने मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, 'हमारे लिए मैच का पहला हाफ अच्छा था, हम अच्छी स्थिति में थे और फिर कुछ गलतियां कीं। हमारे पास सुधार करने का मौका था। यह अच्छा रहा कि दूसरे हाफ में हमें कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले और हमने उन्हें गोल में बदला। पेनल्टी स्ट्रोक चूकना दुर्भाग्यपूर्ण था।'

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीन पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले लेकिन दूसरे हाफ में एक पेनल्टी स्ट्रोक पर चूक गए। फल्टन ने कहा, 'हम खेल जीतने के लिए तो अच्छा खेले, लेकिन अपनी उम्मीदों के हिसाब से नहीं खेले। यह टूर्नामेंट का पहला मैच था। हमने कुछ मौके गंवाए और कुछ गोल भी खाये लेकिन यह देखना अच्छा था कि टीम ने पूरा जोर लगाया।' फुल्टन ने कहा कि मैच में जीत दर्ज करने के बावजूद उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमें तीन अंक मिले।'

उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम को कम आंकना गलती होगी और शुक्रवार को ऐसा ही दिखा। भारतीय कोच ने कहा, 'मुझे किसी भी टीम से संघर्ष की उम्मीद है। हम टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं और यहां प्रबल दावेदार हैं, इसलिए हर टीम हमसे खेलने के लिए खुद को तैयार करेगी और हमें उस चुनौती का सामना करना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने कई मैच देखे हैं जहां आप अच्छा नहीं खेलते, लेकिन जीत जाते हैं और जीत हासिल करना ही सबसे जरूरी है।'

हरमनप्रीत ने कहा कि चीन के खिलाफ मैच से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'यह एक कठिन मैच था, लेकिन जीतना जरूरी था। आखिरी सीटी तक हम संघर्ष करते रहे। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम

की रक्षा पंक्ति को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर टीमें जवाबी हमला करने का इंतजार करती है। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी रक्षापंक्ति मजबूत रहे।'

एशियाई निशानेबाजी: मानिनी को 50 मीटर राइफल प्रोन में कांस्य, महिला टीम ने जीता रजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिमकेंट = युवा भारतीय निशानेबाज मानिनी कौशिक ने शुक्रवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करने के साथ ही टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने में भी अहम भूमिका निभाई। मानिनी का व्यक्तिगत स्पर्धा में यह पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है।

जयपुर की 24 साल की इस निशानेबाज ने 617.8 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया की हाना इम (620.2) और यूनसेओ ली (620.2) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। मानिनी ने प्रतियोगिता में पांचवां स्थान हासिल किया था, लेकिन उनसे आगे रहने वाले दो निशानेबाज दक्षिण कोरिया की येलीन चोई (620.1) और भारत की सिफ्त कौर सामरा (617.9) सिर्फ रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। आरपीओ निशानेबाज केवल अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। मानिनी ने 10-10 शॉट के छह सीरीज में 104.0, 103.8, 101.2, 103.3, 103.2 और 102.3 का स्कोर किया। उन्होंने 50 मीटर राइफल प्रोन(गैर-ओलंपिक स्पर्धा) में टीम को रजत पदक दिलाने में भी मदद की। मानिनी (617.8), सुरभि भारद्वाज (614.4) और विनोद विदर्सा (613.8) की तिकड़ी ने कुल 1846 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। दक्षिण कोरिया (1856.8 अंक) ने स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाकिस्तान 1828.2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

भारत की प्राची गायकवाड़ ने 616.6 के स्कोर के साथ जूनियर महिला 50 मीटर राइफल प्रोन में रजत पदक जीता। स्वर्ण पदक दक्षिण कोरिया की सेही ओह (618.6) ने जीता, जबकि कांस्य कजाकिस्तान की सोफिया मलकिना (616.3) को मिला। प्राची (616.6), अनुष्का ठेकुर (607.6) और तेजल नथावत (599.2) की तिकड़ी ने कुल 1823.4 के साथ टीम कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया (1844 अंक) के साथ ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान (1830.1) ने रजत पदक अपने नाम किया।

एशिया कप के लिए बीसीसीआई का बड़ा फैसला, पांच खिलाड़ी नहीं जाएंगे दुबई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने फैसला किया है कि एशिया कप 2025 के लिए 5 स्टैंडबाय खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल, प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग और ध्रुव जुरेल मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को ग्रुप ए में यूएई के खिलाफ करेगी। इसके बाद 14 और 19 सितंबर को क्रमशः पाकिस्तान और ओमान के खिलाफ मैच होंगे। BCCI ने इस महीने की शुरुआत में 15 सदस्यीय एक मजबूत टीम की घोषणा की थी जिसमें शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार जायसवाल, प्रसिद्ध, सुंदर, पराग और जुरेल 9 सितंबर से शुरू होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए मुख्य टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। पीटीआई ने BCCO के एक सूत्र के हवाले से कहा, 'नहीं, स्टैंडबाय खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।' आमतौर पर तय की गई परंपरा से हटकर खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से अलग-अलग समय पर दुबई पहुंचेंगे, जबकि अन्य मौकों पर टीम रवाना होने से पहले मुंबई में इकट्ठा होती थी। यह निर्णय खिलाड़ियों की यात्रा की सुविधा और व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एक वरिष्ठ बीसीसीआई अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया, 'सभी खिलाड़ी 4 सितंबर की शाम तक दुबई पहुंच जाएंगे और पहला नेट्स सत्र 5 सितंबर को ICC अकादमी में होगा। व्यवस्थाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपने-अपने शहरों से दुबई आने की अनुमति दी जाएगी।' उन्होंने आगे कहा, 'जाहिर है कि कुछ लोग मुंबई से यात्रा करेंगे, लेकिन कुछ अन्य लोगों से पहले मुंबई आने और फिर दुबई जाने के लिए कहना बेतुका है। वैसे भी दुबई की उड़ान अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की तुलना में कम समय की है।'

एशिया कप के लिए भारतीय स्क्वॉड

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा

बिन्नी ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया, राजीव शुक्ला बने कार्यवाहक अध्यक्ष

मुम्बई (एजेंसी)। राजीव शुक्ला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यवाहक अध्यक्ष बने हैं। इससे पहले रोजर बिन्नी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। अब नए अध्यक्ष का चुनाव होने तक शुक्ला ही बीसीसीआई के प्रमुख रहेंगे। वह पिछले काफी समय से उपाध्यक्ष पद संभाल रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को बीसीसीआई की एपेक्स कमिटी की शीर्ष परिषद की बैठक की अध्यक्षता भी शुक्ला ने ही की थी। इस बैठक में प्रायोजक का मामला भी उठा। इसके तहत ड्रीम11 के हटने के बाद नये प्रायोजक की तलाश को लेकर भी बाह हुई।

वहीं रिपोर्ट के अनुसार एशिया कप से पहले प्रायोजक मिलना संभव नही है क्योंकि उसमें अब दो सप्ताह का समय ही है। इससे पहले नई निविदा निकालना, कानूनी प्रक्रिया का पालन करना और बाकी तकनीकी चीजों को पूरा करना संभव नहीं है। केवल एशिया कप के लिए अलग प्रायोजक लाने की संभावना को भी बोर्ड ने खारिज कर दिया।। बोर्ड का लक्ष्य 2027 के एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए प्रायोजक लाने का है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून बन जाने के बाद भी बीसीसीआई को अगले महीने अपनी सालाना आम बैठक करने के साथ ही चुनाव भी कराने की आजादी है।

बीसीसीआई चुनाव में देर नहीं करना चाहेगी। इसका कारण है कि सरकार ने जो खेल कानून बनाया है, अभी उसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई है। उसे अधिसूचित होने में कुछ महीने लग सकते हैं इसी को देखते हुए बीसीसीआई चुनाव नहीं टालेगी ताकि तय समय से पहले नया अध्यक्ष कामकाज संभाल ले। अभी बीसीसीआई का प्रशासन लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बने संविधान के हिसाब से चलता है। ऐसे जब तक संसद से पारित नए खेल कानून की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती, तब तक बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघों को

उसी संविधान से काम करना होगा। वर्तमान कानून के तहत 70 साल की उम्र में बोर्ड में किसी पद पर नहीं रहा जा सकता। इसी कारण बिन्नी को इस्तीफा देना पड़ा था।

युवकों को टोकने पर पीजी संचालक को किया लहूलुहान

नोएडा (चेतना मंच)। मामूरा गांव में पीजी के बाहर बाइक खड़ी कर रहे युवकों को टोकना पीजी संचालक को खासा महंगा पड़ा। टोकाटाकी से गुस्साए युवकों ने पीजी संचालक के साथ गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों व लोहे के रोड से मारपीट कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। सेक्टर-11 में रहने वाले दीपक चौहान ने थाना फेस-3 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 28 अगस्त की रात्रि को उसके पिता घनश्याम चौहान मामूरा स्थित अपने पीजी पर गए थे। बाइक पर पहुंचे मनोज बसोया व अजय अक्षत ने अपनी बाइक उनकी पीजी के बाहर खड़ी कर दी। घनश्याम चौहान ने जब उन्हें बाइक हटाने को कहा तो दोनों युवक भड़क उठे और गाली गलौज करने लगे। गाली गलौज का विरोध करने पर मनोज बेसोया और अजय ने लाठी डंडे व लोहे की रोड से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में घनश्याम चौहान बेहोश होकर जमीन पर गिर गए इसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। दीपक चौहान के मुताबिक इस मामले की जानकारी मिलने पर वह मौके पर पहुंचे और अपने पिता को अस्पताल में भर्ती कराया।

पाक टीम एशिया कप के फाइनल में नहीं पहुंचेगी : कनेरिया

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने कहा है कि पाक टीम अगले माह 9 सितंबर से शुरु हो रहे एशिया कप के फाइनल में नहीं नहीं पहुंचेगी। यूएई में स्पिनरों की सहायक पिचों पर होने जा रहे एशिया कप में कुल 8 टीमें खेलेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के दो समूहों में बांटा गया है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कई दिग्गज क्रिकेटरों ने इसको लेकर अपनी भविष्यवाणी की है। वहीं इसी कड़ी में पाक के पूर्व स्पिनर कनेरिया ने कहा है कि उनकी टीम पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम फाइनल में पहुंचेगी जहां उसका मुकाबला अफगान टीम से होगा। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं। ऐसे में संभावना जतायी जा रही है कि इस ग्रुप से यही दोनों टीमें सुपर 4 में जाएंगी। ग्रुप स्टेज में भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 सितंबर को है। वहीं अगर दोनों सुपर-4 में पहुंची तो दूसरा मैच इन दोनों टीमों के बीच 21 सितंबर को होगा। वहीं कनेरिया को नहीं लगता कि इस बार पाक सुपर 4 तक पहुंचेगी।

प्राधिकरण ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन के मद्देनजर नोएडा प्राधिकरण ने आज प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। वर्क सर्किल-2 के वरिष्ठ प्रबंधक कपिल कुमार ने बताया कि आज सेक्टर-26 तिठारी, सेक्टर-26 तथा अन्य स्थानों पर सड़क के किनारे काबिज ठेली पटरी दुकानदारों के खिलाफ अभियान चलाया गया।

इस दौरान कई दुकानदारों का सामान भी जब्त किया गया। ख़बर लिखे जाने तक अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई जारी थी।

गांजा तस्कर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर के पास से गांजा, तमंचा, कारतूस एवं चोरी की बाइक बरामद हुई है।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम शाहपुर रोड बाईपास पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक पर आ रहे एक व्यक्ति को जांच के लिए रोका गया। पुलिस को देखकर बाइक सवार ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा, कारतूस व 2 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए अभियुक्त ने अपना नाम इमरान पुत्र इदरीश निवासी नई आबादी बताया। इमरान ने बताया कि वह लालकुआं से एक व्यक्ति से गांजा लेकर आता है और उसे दादरी में नशे के आदि लोगों को बेचता है। आरोपी ने स्वीकार किया कि उससे बरामद बाइक भी चोरी की है। उसने इस बाइक को 2 साल पहले दिल्ली से चोरी किया था। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

सड़क हादसों में ट्रक चालक व युवक की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में बेलगाम वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है आए दिन लापरवाह वाहन चालकों की वजह से निर्दोष लोगों की जान जा रही है अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसे में एक ट्रक चालक व युवक की मौत हो गई

थाना कासना क्षेत्र के पेरीफेरल सिरसा कट के पास खराब खड़े ट्रक की जांच कर रहे चालक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के भाई ने थाना कासना में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्जकराया है।

जनपद हरदोई निवासी जय ओम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बड़ा भाई हरिओम ट्रक ड्राइवर था 28 अगस्त को उसका भाई मंगोलिया मार्केट क्लोजिंग प्राइवेट लिमिटेड का माल लेकर पलवल गया था। पलवल में ट्रक में लोड माल उतारने के बाद वह नोएडा आ रहा था पेरीफेरल सिरसा कट से करीब डेढ़ किलोमीटर पहले ट्रक में कुछ खराबी आ गई थी। हरिओम ट्रक को सड़क किनारे लगाकर उसकी जांच करने लगा। इस दौरान किसी अज्ञात वाहन ने हरिओम को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से हरिओम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। थाना कासना पुलिस का कहना है कि पीड़ति की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरा की मदद से दुर्घटना करने वाले चालक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

वहीं थाना फेस 3 क्षेत्र के गाड़ी चौखंडी गांव में अपने बाइक पर बैठे अनुराग मौर्य को तेज गति में आ रहे टेंपो के चालक ने टक्कर मार दी इस हादसे में अनुराग मौर्य गंभीर रूप से घायल हो गया गंभीर स्थिति में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई इस संबंध में मृतक के पिता देवेंद्र ने थाना फेस 3 में टेंपो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

सोसायटी के गालीबाजी पर एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के ओमेगा-1 सेक्टर स्थित इंजीनियर पार्क सोसायटी में गार्ड व सोसाइटी वालों के साथ गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। सोसायटी की सचिव की शिकायत पर पुलिस ने यह मुकदमा दर्ज किया है।

इंजीनियर पार्क सोसाइटी की सचिव संगीता मिश्रा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 5 अगस्त को जसपाल उर्फ आजाद भाटी ने सोसाइटी के गेट पर तैनात गार्ड तथा सिक्योरिटी सुपरवाइजर मनोज के साथ गाली-गलौज करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। गार्ड व सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। सचिव के मुताबिक यशपाल उर्फ आजाद भाटी आए दिन सोसाइटी में अभद्र भाषा का प्रयोग तथा उपद्रवबाजी करता रहता है। इसके अलावा वह लोगों को जाति के नाम पर भी भड़काने के साथ-साथ मैनेजमेंट कमेटी पर झूठे आरोप लगाता है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चाकू भी बरामद हुआ है पकड़ा गया आरोपी चोरी की स्कूटी पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उसे चला रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक बदमाश चोरी की स्कूटी के साथ मिगशन गोल चक्कर के पास खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्कूटी पर बैठे एक व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम कैलाश सिंह बघेल पुत्र जय किशन निवासी जनपद अलीगढ़ बताया। पूछताछ करने पर कैलाश सिंह बघेल ने स्वीकार किया कि उसे बरामद स्कूटी चोरी की है उसने इस स्कूटी को 25 अगस्त को नोएडा के सेक्टर 8 से चोरी किया था स्कूटी पर लगी ओरिजिनल नंबर प्लेट को उसने तोड़कर फेंक दिया था और पुलिस से बचने के लिए एक फर्जी नंबर प्लेट लगा दी थी वह स्कूटी को बेचने के लिए जा रहा था लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया।

कूड़ा फेंकने गया किशोर लापता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के तुगलपुर गांव में कूड़ा फेंकने गया एक किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया किशोर के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। तुगलपुर गांव शिव मंदिर के पास रहने वाले विनय गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका 15 वर्षीय भाई 28 अगस्त की सुबह घर से बाहर कूड़ा फेंकने के लिए गया था इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। काफी देर तक भी जब उनका भाई घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला थाना नॉलेज पार्क पुलिस का कहना है कि पीड़ति की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोर की तलाश की जा रही है।

दंपत्ति का मोबाइल हैक कर निकाली नकदी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। साइबर हैकर ने एक दंपत्ति के मोबाइल फोन को हैक कर उनके खाते से चार लाख 80 हजार रुपए निकाल लिए। दंपति के पुत्र ने अज्ञात हैकर के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है। सारिका विहार दादरी निवासी पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि उनके पिता रामवीर शर्मा का गाजियाबाद के मोहननगर में पंजाब नेशनल बैंक तथा उनकी मां निर्मला देवी का बुलंदशहर में बैंक ऑफ़ बड़ौदा की शाखा में खाता खुला हुआ है। इन दोनों खातों में उनके पिता रामवीर शर्मा का मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड है। पंकज कुमार शर्मा के मुताबिक 27 अप्रैल से 7 जुलाई के बीच किसी हैकर ने उनके पिता के मोबाइल फोन को हैक कर दोनों के खाते से अलग-अलग तिथियों में 480000 निकाल लिए। इस बात की जानकारी मिलने पर उन्होंने बीते 3 अगस्त को साइबर पोर्टल पर इस मामले की शिकायत की थी। पुलिस का कहना है कि अज्ञात हैकर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है। इस मामले में साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है।

घर में घुसकर मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक व्यक्ति ने चार लोगों के खिलाफ घर में घुसकर गाली-गलौज एवं मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। मारपीट करने वालों ने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस न लेने पर जान से मारने की भी धमकी दी। ब्रह्मपुरी तहसील गेट निवासी श्याम सुंदर शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 24 अगस्त की शाम को अपने घर के बाहर खड़ा हुआ था। इस दौरान आफताब, भावेश, दीपक और हर्षित उसके पास आए और उनके खिलाफ दर्ज कराए गए मुकदमे को लेकर गाली-गलौज करने लगे। उसने जब इस बात का विरोध किया तो चारों ने मिलकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर शराब सुनकर उसके पिता ने बीच बचाव का प्रयास किया तो आरोपियों ने उनके साथ भी गाली गलौज और मारपीट की। पीड़ित का कहना है कि आरोपी उस पर दर्ज कराये गये मुकदमे को वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

वेतन बकाया और नौकरी से निकाले जाने पर श्याम प्लास्टिक कंपनी के खिलाफ मजदूरों का धरना जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। वेतन बकाया और कर्मचारियों को गैरकानूनी तरीके से नौकरी से निकाले जाने के विरोध में श्याम प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड (बी-12/13, साइड बी, सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया) के श्रमिकों ने शुक्रवार को कंपनी गेट पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन सीटू के बैनर तले आयोजित हुआ।

धरना स्थल पर मजदूर श्याम प्लास्टिक के मालिक केपी सिंह होश में आओ, मजदूरों का बकाया वेतन दो, नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति सहित बहाल करो जैसे नारे लगा रहे थे।

सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि कंपनी प्रबंधन ने मजदूरों से दो माह तक काम लेने के बावजूद वेतन नहीं दिया। जब श्रमिकों ने भुगतान की मांग की तो न केवल उनके साथ गाली-गलौज की गई, बल्कि कई कर्मचारियों को नौकरी से भी निकाल दिया गया।

उन्होंने कहा कि 29 अगस्त की सुबह 10 बजे मजदूरों को वेतन भुगतान का वादा कर कंपनी बुलाया गया, लेकिन गेट पर पहुंचने पर मालिक ने ताला लगाकर कंपनी से फरार हो गया। इससे गुस्साए मजदूरों ने सीटू जिला सचिव राम स्वारथ के नेतृत्व में जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

मजदूर नेताओं ने चेतावनी दी कि जब तक श्रमिकों की मेहनत की कमाई का भुगतान और निकाले गए कर्मचारियों की बहाली नहीं होती, तब तक कंपनी गेट पर बार-बार इसी तरह धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

उत्कृष्ट शोध कार्य करने वाली डॉ मोनिका को किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। संकल्प संस्था ने ग्रेटर नोएडा के दुजाना गाँव निवासी डॉ मोनिका अवाना धर्मपत्नी विकास नागर को उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए उनके आवास पर जाकर पगड़ी पहनाकर व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।

संकल्प संस्था के संस्थापक डॉ. भूपेन्द्र नागर ने बताया कि डॉ. मोनिका अवाना ने पूसा यूनिवर्सिटी से बायोटेक मे अपना रिसर्च वर्क पूर्ण किया है व डासना के IMS कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप मे कार्यरत है। उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के कारण उनको पोस्ट डॉक्टोरल फ़ेलोशिप भी विश्विद्यालय की तरफ से मिली है।

संस्था के संयोजक रोहित मत्ते गुर्जर व महासचिव अमित नागर ने कहा कि बेटियों की शादियों पर लाखों करोड़ों रुपये खर्च करने से अधिक बेहतर है कि उनको पढ़ा-लिखा कर आत्मनिर्भर व ससक्त बनाया जाए। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक डॉ. भूपेन्द्र नागर, संयोजक रोहित मत्ते गुर्जर, महासचिव अमित नागर, सचिव मनोज नागर, संयुक्त सचिव नवीन बैसोया, प्रवक्ता विवेक नागर,बबिता नागर, विकास नागर आदि लोगो की उपस्थिति रही।

कुल्लू में बाढ़, भूस्खलन से पेट्रोल-डीजल का संकट, दूध-सब्जी और अखबार की सप्लाई भी ठप

कुल्लू

बाढ़ और भूस्खलन के बाद जिले में ईंधन संकट ने हालात बिगाड़ दिए हैं। पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति ठप होने से कई पेट्रोल पंप संचालकों ने तेल देना बंद कर दिया है। निजी बस ऑपरेटरों की गाड़ियां डीजल की कमी से खड़ी हो गई हैं। दोपहिया वाहन चालक पेट्रोल के लिए पंपों के चक्कर काट रहे हैं। सड़कें खुलने के बावजूद अब जनजीवन तेल आपूर्ति पर अटक गया है। प्रशासन ने पेट्रोल पंपों को आपातकालीन सेवाओं के लिए रिजर्व स्टॉक बनाए रखने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा जमाखोरी पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। जिले में घरेलू गैस सिलिंडरों की फिलहाल कोई समस्या नहीं है और बुकिंग पर डिलीवरी हो रही है। लेकिन दूध, पनीर, दही, ब्रेड, मक्खन, सब्जियों और अखबार की सप्लाई पिछले चार-पांच दिनों से नहीं हुई। शहर को मिलने वाला अधिकतर दूध लगवैली क्षेत्र से आता है, लेकिन वहां से आपूर्ति बंद है। केवल पाहनाला इलाके से आ रहा दूध ही लोगों को मिल रहा है, जो पर्याप्त नहीं है। स्थानीय निवासी संजय शर्मा, अजय शर्मा, बालक राम, मोहन सिंह, नरोत्तम ठाकुर और प्रेम सिंह ने बताया कि पेट्रोल न मिलने से उन्होंने अपनी कारें खड़ी कर दी हैं। बस ऑपरेटर संघ कुल्लू के अध्यक्ष रजत जम्वाल ने कहा कि सड़कें बंद रहने और डीजल न मिलने से कुल्लू से भुंतर-बजौरा रूट की बसें बंद हो गई हैं। नागरिक आपूर्ति निगम गैस एजेंसी प्रभारी चंद्रेश कुमारी ने बताया कि घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की सप्लाई हर क्षेत्र में महीने में दो बार दी जाती है। इस माह सप्लाई दी जा चुकी है। आपात स्थिति से निपटने के लिए सिलिंडर रिजर्व भी रखे गए हैं। जिले के सभी पेट्रोल पंपों को आदेश दिया गया है कि वे एंबुलेंस, अग्निशमन विभाग, आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई और सड़क बहाली कार्यों में लगे वाहनों के लिए न्यूनतम रिजर्व स्टॉक बनाए रखें। जमाखोरी और काला बाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आदेशों की अवहेलना करने वालों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188, 269, 270 और आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा 51 के तहत कार्रवाई होगी। इसमें दो वर्ष तक की सजा, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

सीएम सिद्धारमैया का बड़ा एलान, राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में वृद्धि

नई दिल्ली

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को बड़ा एलान किया। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में वृद्धि की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार एथलीटों को समर्थन देने और उन्हें अधिक ऊंचाइयां हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिद्धारमैया ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देते करते हुए कहा, 'हमने स्वर्ण पदक विजेताओं को सात लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को पांच लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को तीन लाख रुपये देने का फैसला किया है।' इन खेलों में कर्नाटक 34 स्वर्ण, 18 रजत और 28 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। सीएम ने आगे कहा, 'यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुझे उम्मीद है कि कर्नाटक अगले खेलों में पहला स्थान हासिल करेगा।' इस दौरान सिद्धारमैया ने याद दिलाया कि 2015 में उनके पिछले कार्यकाल के दौरान स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं के लिए क्रमशः पांच लाख रुपये, तीन लाख रुपये और दो लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक ओलंपिक संघ ने राशि बढ़ाने का आग्रह किया था। हमने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है और राशि में संशोधन किया है।' सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि एथलीटों को पदक जीतने में मदद करने वाले प्रबंधकों और कोचों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, 'सरकार राज्य में खेलों को हर संभव सहयोग देगी। मैं शुरू से ही एथलीटों की मांगों को पूरा करता रहा हूं।' मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पदक विजेताओं को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने खेल कोटे से पुलिस आबकारी विभाग में डिप्टी एसपी नियुक्त किए गए सुनील भाटी का उदाहरण देते हुए कहा, 'उच्च पदों पर पदोन्नति के अवसर भी उपलब्ध होंगे।' मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर देश और राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेताओं को पांच करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को तीन करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।'

पाकिस्तान से संघर्ष में मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को खारिज करना भारत पर टैरिफ की वजह, जेफरीज का दावा

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की हर ओर आलोचना हो रही है। कई अमेरिकी अर्थशास्त्री इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था और अमेरिकी विदेश नीति के लिए आत्मघाती कदम बता रहे हैं। वहीं, अब अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी जेफरीज ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में कहा है कि भारत पर अमेरिकी टैरिफ का कारण भारत-पाकिस्तान विवाद में मध्यस्थता के उनके दावे को स्वीकृति न मिलना है। जिसके कारण वे व्यक्तिगत तौर पर नाराज हो गए हैं और ऐसे कदम उठा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने मई में दोनों देशों के बीच चार दिवसीय सैन्य तनाव के बाद अपने हस्तक्षेप का दावा किया था, लेकिन उन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को समाप्त करने का क्रेडिट नहीं मिला, जैसाकि वे चाहते थे। भारत ने ट्रंप के दावों को लगातार नकारते हुए पाकिस्तान के साथ संघर्ष में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को खारिज किया है। जेफरीज ने बताया कि भारी आर्थिक नुकसान के बावजूद इस रुख को भारत ने बरकरार रखा है। जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि भारत की असहमति के कारण राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए वैश्विक रूप से मिल रही स्वीकार्यता भी कमजोर पड़ी है। इसके अलावा जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने के कुछ अन्य कारण भी गिनाये हैं। जिनमें रूस-यूक्रेन युद्ध प्रमुख है। इसमें कहा गया है कि ट्रंप अभी तक यूक्रेन जंग को खत्म करने के अपने चुनावी वादे को पूरा नहीं कर पाए हैं। जिसके कारण भी उनमें खिसियाहट है। वहीं, भारत द्वारा रूस से तेल खरीद जारी रखना भी वॉशिंगटन में असंतोष का कारण बना। लेकिन रिपोर्ट का दावा है कि टैरिफ का असली और मूल कारण भारत का पाकिस्तान मामले में ट्रंप को दखल न देने देना है।

मुख्यधारा की शिक्षा को गुरुकुल में जोड़ने की वकालत, नई शिक्षा नीति जरूरी, पुरानी गुलाम बनाने वाली: भागवत

नई दिल्ली

भागवत ने कहा, 'गुरुकुल शिक्षा का मॉडल फिनलैंड के शिक्षा मॉडल जैसा है। फिनलैंड में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए अलग विश्वविद्यालय है। स्थानीय आबादी कम होने के कारण कई लोग विदेशों से आते हैं, इसलिए वे सभी देशों के छात्रों को स्वीकार करते हैं। वहां, आठवीं कक्षा तक की शिक्षा छात्रों की मातृभाषा में दी जाती है। इस दौरान कोई क्लास वर्क नहीं दिया जाता। दस छात्रों पर एक शिक्षक का औसत है।' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष में आयोजित तीन दिवसीय संवाद के अंतिम दिन संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सवाल-जवाब सत्र को संबोधित किया। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख ने नई शिक्षा नीति की तारीफ करते हुए कहा, नई शिक्षा प्रणाली इसलिए शुरू की गई, क्योंकि हमें केवल राज्य नहीं चलाना है, हमें लोगों को चलाना है। पुरानी शिक्षा प्रणाली विदेशी आक्रमणकारियों ने बनाई थी। हम हमेशा विदेशी आक्रमणकारियों के गुलाम रहे, जो उस समय के राजा थे। वे इस देश पर शासन करना चाहते थे, इसका विकास नहीं करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने सभी प्रणालियां इस बात को ध्यान में रखते हुए बनाईं कि हम लोगों को गुलाम बनाए रखते हुए कैसे इस देश पर शासन कर सकते हैं...लेकिन अब हम स्वतंत्र हैं। इसलिए नई शिक्षा प्रणाली इसलिए शुरू की गई। संघ प्रमुख ने मुख्यधारा की शिक्षा को गुरुकुल शिक्षा से जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि गुरुकुल शिक्षा का मतलब आश्रम में रहना नहीं, बल्कि देश की परंपराओं को सीखना है। भागवत ने कहा, गुरुकुल शिक्षा का मॉडल फिनलैंड के शिक्षा मॉडल जैसा है। फिनलैंड में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए अलग विश्वविद्यालय है। स्थानीय आबादी कम होने के कारण कई लोग विदेशों से आते हैं, इसलिए वे सभी देशों के छात्रों को स्वीकार करते हैं। वहां, आठवीं कक्षा तक की शिक्षा छात्रों की मातृभाषा में दी जाती है। इस दौरान कोई क्लास वर्क नहीं दिया जाता। दस छात्रों पर एक शिक्षक का औसत है। संघ प्रमुख ने कहा, विदेशी नहीं, देश में इस्तेमाल होने वाली हर भाषा राष्ट्रभाषा है। सभी मातृभाषा के पास अपनी संस्कृति, अपनी विरासत है। सवाल संपर्क की भाषा पर सहमति बनाने की है। यह विदेशी नहीं होनी चाहिए। हमें मिलजुलकर तय करना होगा कि देश की संपर्क भाषा क्या होगी। इस दौरान उन्होंने संस्कृत की शिक्षा की वकालत करते हुए कहा कि चूंकि सारे ग्रंथ, उपनिषद इसी भाषा में लिखे गए, इसलिए संस्कृत के ज्ञान के बिना हम अपने देश को नहीं जान सकते। उन्होंने कहा कि अनुवाद ज्ञान का सर्वश्रेष्ठ स्रोत नहीं है। गलत अनुवाद के कारण ही देश में कई भ्रांतियां पैदा हुई हैं। भागवत ने कहा कि आप अंग्रेजी उपन्यास पढ़ें। हम अंग्रेज नहीं हैं, हमें अंग्रेज नहीं बनना है, लेकिन अंग्रेजी भाषा सीखने में क्या दिक्कत है? मुझे भी पिताजी ने कई अंग्रेजी उपन्यास पढ़ाए। इससे मेरे हिंदुत्व पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। लेकिन अंग्रेजी लेखकों को पढ़ें और प्रेमचंद जैसे भारतीय कहानीकारों को छोड़ दें, यह ठीक नहीं है। भागवत ने फिर कहा कि राम मंदिर एकमात्र ऐसा आंदोलन था, जिसका संघ ने समर्थन किया था। वह उद्देश्य पूरा हुआ। संघ काशी-मथुरा पुनरुद्धार सहित किसी भी अन्य ऐसे अभियान का समर्थन नहीं करेगा। हालांकि भागवत ने स्पष्ट किया कि आरएसएस के स्वयंसेवक ऐसे आंदोलनों में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं। हिंदू मानस में काशी-मथुरा और अयोध्या का महत्व है। दो जन्मभूमि हैं और एक निवास स्थान। स्वाभाविक है कि हिंदू समाज इसका आग्रह करेगा। हम कहते हैं बाकी जगह मंदिर और शिवलिंग मत ढूंढो। तीन का ही आग्रह है, तो उसे स्वीकार कर लो। यह भाईचारे व सौहार्द्र की दिशा में बड़ा कदम होगा। संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे सभी सरकारों से संबंध ठीक हैं। हम सभी में परिवर्तन की संभावना देखते हैं। अच्छे कार्य के लिए किसी का भी समर्थन करने के लिए तैयार हैं। 1948 में संघ कार्यालय में आग लगाने के लिए मशाल लेकर निकलने वाले जयप्रकाश नारायण ने आपातकाल के दौरान कहा कि संघ ही देश में परिवर्तन ला सकता है। दिवंगत राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जब संघ मुख्यालय आए तो संस्था के प्रति उनकी गलतफहमी दूर हुई।

ट्रंप की डिप्लोमेसी फुस्स! पुतिन से मीटिंग भी नहीं करा पाई यूक्रेन से सीजफायर, शांति छोड़िए और बिगड़ गए हालात

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने की लफ्फाजी मारने वाले डोनाल्ड ट्रंप की डिप्लोमेसी पर अब सवाल उठने लगे हैं क्योंकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उनकी कूटनीति की कुटाई कर दी है। अलास्का के आंगन में ट्रंप-पुतिन की मीटिंग को रूस-यूक्रेन के बीच युद्धविराम की दिशा में एक नया मोड़ बताया जा रहा था। हालांकि इसका नतीजा अगर देखा जाए तो सीजफायर तो नहीं हुआ बल्कि युद्ध चरम स्तर पर पहुंच गया है। अलस्का में पुतिन से मिलने से पहले ट्रंप ने दावा किया था कि उनका टारगेट सीजफायर कराना है और अगर रूस उनकी बात नहीं मानेगा तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप का ये दावा भी खोखला साबित होता दिख रहा है क्योंकि इस मीटिंग को हुए 15 दिन बीत गए लेकिन रूस-यूक्रेन के बीच युद्धविराम की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया हुआ नहीं दिख रहा है। 15 अगस्त, 2025 को हुई इस मुलाकात के बाद पुतिन ने ट्रंप को नजरंदाज करते हुए यूक्रेन पर हमले और तेज कर दिए। ट्रंप-पुतिन की मुलाकात के एक दिन बाद ही यूक्रेन ने आरोप लगाया कि रूस ने ड्रोन और मिसाइल से हमला किया। यूक्रेन के एयर डिफेंस सिस्टम ने कई रूसी ड्रोन्स को रोक दिया। इसके बाद रूस ने 20-21 अगस्त को फिर से यूक्रेन पर हमला किया। ये 2025 का तीसरा सबसे बड़ा हमला था, जिसमें रूस ने 500 से ऊपर ड्रोन और 40 मिसाइलें दागीं। बात यहीं खत्म नहीं होती। बीते दिन यानि कि गुरुवार (28 अगस्त, 2025) को रूस ने कीव पर हमला किया, इसमें 629 ड्रोन्स और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इस वाले हमले में तो यूरोपीय यूनियन की बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा था। जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो यूक्रेन ने भी जवाबी हमले किए। कहने का मतलब है कि अलास्का मीटिंग का इतना ढिंढोरा पीटा गया और इसके बाद भी हालात में एक इंच का भी बदलाव नहीं देखने को मिला। हालांकि ट्रंप ने इस बैठक के बाद कहा था कि फिलहाल सीजफायर को लेकर किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि कई बिंदुओं पर बात बनी है और इसे प्रोडक्टिव करार दिया था।

मनपा गणेश मंडलों को देगी पुरस्कार

अमरावती. मनपा क्षेत्र में गणेश मंडलों के लिए घोषित 'पर्यावरण गणेश मंडल' स्पर्धा में भाग लेने वाले पंजीकृत गणेश मंडलों को मूल्यांकन के बाद पुरस्कार प्रदान किए गए हैं और प्रथम स्थान विजेता को 51000/- रुपये, द्वितीय स्थान विजेता को 21000/- रुपये और तृतीय स्थान विजेता को 11000/- रुपये का पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सर्वश्रेष्ठ गणेशोत्सव मंडलों का चयन करते समय, मुख्य रूप से निम्नलिखित मानदंडों का मूल्यांकन किया जाएगा। 2025 के गणेशोत्सव के लिए अमरावती महानगरपालिका जोन कार्यालय में मंडल का पंजीकरण और पुलिस विभाग से अनुमति/मंजूरी अनिवार्य होगी।श्रीजी की मूर्ति मिट्टी की बनी होनी चाहिए।यदि श्रीजी की मूर्ति मिट्टी की है तो अधिकृत मिट्टी की मूर्ति विक्रेता से खरीद की रसीद होनी चाहिए।सार्वजनिक गणेश मंडल के लिए अनुमति प्रदान करते समय अनुमति पत्र में उल्लिखित ध्वनि प्रदूषण एवं अन्य नियमों व शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा।मनोरंजन के लिए एकल उपयोग प्लास्टिक और थर्मोकोल का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

केबीसी में आया श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल का नाम

अमरावती. श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल ने 1936 में बर्लिन में ओलंपिक स्तर पर कबड्डी खेल की शुरुआत की थी। आज कौन बनेगा करोड़पति शो में एक प्रश्न पूछा गया। कबड्डी खेल को विश्व स्तर पर लाने में श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल द्वारा किए गए योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है, और इसके परिणामस्वरूप मंडल के साथ-साथ अमरावती शहर का नाम भी ऊँचा हुआ है।

भारी बारिश से लातूर में जनजीवन अस्त-व्यस्त, स्कूलों में छुट्टी, मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

लातूर

महाराष्ट्र के लातूर जिले में लगातार भारी बारिश के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने शुक्रवार को जिले के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य के मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित लातूर जिले के 60 राजस्व मंडलों में से 29 में गुरुवार रात तक अत्यधिक बारिश दर्ज की गई। इससे नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने पड़े। लगभग 50 सड़कें और पुल बंद कर दिए गए हैं, क्योंकि उनके ऊपर से पानी बहने लगा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 29 अगस्त के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इसी के मद्देनजर जिला कलेक्टर और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष वर्षा ठाकुर घुगे ने पहली से बारहवीं कक्षा तक के सभी स्कूलों में छुट्टी का एलान किया है। आपदा प्रबंधन की टीमों और स्थानीय ग्रामीणों ने शिरुर अनंतपाल और अहमदपुर तहसीलों के बाढ़ग्रस्त इलाकों में फंसे दस लोगों को बचाया। अहमदपुर में सेना की एक टीम भी पहुंच चुकी है। शिरुर अनंतपाल में एक नदी किनारे बने शेड में फंसे पांच लोगों और घरनी नदी पर पुल निर्माण के दौरान फंसे तीन मजदूरों को सुरक्षित निकाला गया। अहमदपुर के कालेगांव में जलाशय के जल निकासी मार्ग पर फंसे एक व्यक्ति को भी बचा लिया गया। मकनी गांव में एक व्यक्ति बाढ़ के पानी से भरे पुल को पार करते समय बह गया था, जिसे स्थानीय लोगों ने बचा लिया। उसे मामूली चोटें आई हैं और वह शिरुर ताजबंद के साईकृपा अस्पताल में इलाज करा रहा है। राज्य राजमार्ग 238 का निलंगा-उदगीर-धनेगांव मार्ग अधिक पानी के चलते बंद कर दिया गया है। वहीं, शिरूर के पास मांजरा नदी पर बना पुल डूबने के कारण निलंगा-उदगीर मार्ग भी बंद हो गया है। टागरखेड़ा से औरड को जोड़ने वाले दो रास्ते ठहरे हुए पानी की वजह से बंद हो गए हैं। अब वाहन चालकों को हालसे-तांबरवाड़ी-हलगारा के रास्ते बीदर रोड की ओर जाना पड़ रहा है। निलंगा तहसील के शेलगी गांव में गुरुवार आधी रात को बिजली गिरने से पांच मवेशियों की मौत हो गई। चाकुर तहसील में बीएसएफ कैंप परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय के परिसर में पानी भर जाने से 679 छात्र और 40 शिक्षक फंस गए थे। सभी को बीएसएफ जवानों ने गुरुवार शाम सुरक्षित निकाल लिया। लातूर के पड़ोसी जिले नांदेड़ में भी भारी बारिश के कारण हालात गंभीर हैं। गुरुवार को अधिकारियों ने बताया था कि लातूर और नांदेड़ जिलों में भारी बारिश के कारण 2,200 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

भूख हड़ताल को लेकर बिफरे ओबीसी नेता

जरांगे चिंगारी थे, शरद-उद्धव ने ज्वालामुखी बना दिया

मुंबई

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। जहां एक ओर आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में अपनी भूख हड़ताल शुरू कर दी है। वहीं ओबीसी समुदाय इससे नाराज है। ओबीसी समुदाय के नेता लक्ष्मण हाके ने मनोज जरांगे की मांगो को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांगे मान ली गईं तो यह ओबीसी वर्ग के ही हिस्से में आएंगी ऐसे में हम भी अपना आंदोलन शुरू करेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने विपक्षी नेताओं शरद पवार, उद्धव ठाकरे पर जरांगे को शह देने का भी आरोप लगाया। लक्ष्मण हाके ने कहा कि जरांगे तो सिर्फ एक चिंगारी थे, लेकिन विपक्षी नेता शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कुछ मंत्रियों ने उन्हें ज्वालामुखी बना दिया। पत्रकारों से बातचीत में हाके ने कहा कि जरांगे को आज रेड कार्पेट मिल रहा है, लेकिन मेरे खिलाफ तो कहीं भी जाने पर एफआईआर दर्ज हो जाती है। हाके ने आरोप लगाया कि सभी दलों के विधायक-सांसद जरांगे का समर्थन कर रहे हैं और संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। हाके ने कहा कि सिर्फ पांच से दस प्रतिशत मराठा मुंबई में प्रदर्शन के लिए पहुंचे हैं, जबकि ओबीसी आबादी 50 प्रतिशत है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार इस मुद्दे पर सीएम फडणवीस को मुश्किल में डाल रहे हैं क्योंकि उनके विधायक जरांगे के साथ खड़े हैं। इससे पहले, बीड जिले में एनसीपी विधायक विजयसिंह पंडित के समर्थकों से झड़प के बाद हाके और उनके 13 समर्थकों पर दंगा और गैरकानूनी जमावड़े का मामला दर्ज किया गया था। इसे लेकर हाके ने कहा कि हम संवैधानिक तरीके से लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन सरकार हमारे साथ भेदभाव कर रही है। किसी गांव में अपराध होता है तो सबसे पहले ओबीसी लोगों को ही हिरासत में लिया जाता है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे से तुरंत संवाद करना चाहिए और समुदाय को न्याय देना चाहिए।

सुख-शांति के लिए शिव- पार्वती के साथ करें गणपति पूजा

सुख-समृद्धि का प्रतीक है गणेश जी का परिवार

गणेश जी संपूर्णता के प्रतीक हैं। इनकी दो पत्नियां- रिद्धि और सिद्धि हैं, दो पुत्र- शुभ और लाभ (क्षेम) हैं। रिद्धि सुख-समृद्धि का प्रतीक हैं। सिद्धि सफलता और सिद्धियों की प्रतीक हैं। शुभ जीवन में शुभता, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं। लाभ से तात्पर्य है प्रगति और आर्थिक सफलता।

कुछ कथाओं में गणेश जी की एक पुत्री का भी उल्लेख है, जिनका नाम संतोषी माता है। इन्हें संतोष और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता है। संतोषी माता की पूजा विशेष रूप से शुक्रवार को की जाती है, देवी के इस स्वरूप की पूजा करने से घर-परिवार में संतोष बना रहता है, अभावों में व्यक्ति निराश नहीं होता है और हमेशा प्रसन्न रहता है।

गणेश जी के माता-पिता भगवान शिव और माता पार्वती हैं, इनका परिवार संदेश देता है कि घर में सभी सदस्यों की विचारधारा भले ही अलग हो, लेकिन हमें परिवार के साथ ही रहना चाहिए।

भगवान शिव, जो तपस्या, त्याग और विवेक के प्रतीक हैं। माता पार्वती, जो शक्ति, ममता और करुणा की प्रतीक हैं। स्वामी कार्तिकेय, जो वीरता, अनुशासन और ब्रह्मचर्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। भगवान गणेश, जो बुद्धि, विवेक और समर्पण के प्रतीक हैं। इन सभी के वाहन नंदी, सिंह, मोर, मूषक हैं, शिव जी गले में नाग को धारण करते हैं।

नंदी बैल (शिव का वाहन) सेवा और निष्ठा का प्रतीक है। सिंह (पार्वती का वाहन) साहस और शक्ति का प्रतीक है। मोर (कार्तिकेय का वाहन) सुंदरता और संतुलन का प्रतीक है। मूषक (गणेश का वाहन) सूक्ष्मता और चपलता का प्रतीक है। ये सभी जीवन एक-दूसरे के शत्रु हैं। आमतौर सिंह यानी शेर नंदी यानी बैल को मार देता है, मोर नाग को और नाग चूहे को मार देता है। ये सभी जीव अलग-अलग स्वभाव के हैं, लेकिन फिर भी शिव परिवार में एक साथ रहते हैं, इनका संदेश यही है कि परिवार में सभी लोगों की सोच, विचारधारा अलग-अलग हो सकती है, लेकिन सभी को एक साथ ही रहना चाहिए। इस परिवार की एक साथ पूजा करने से जीवन में संतुलन, शांति और समृद्धि आती है। ये परिवार हमें सिखाता है कि विविधताओं के बावजूद एकजुटता और प्रेम से जीवन को सुंदर बनाया जा सकता है।

तुलसी ने गणेश जी को दिया था शाप

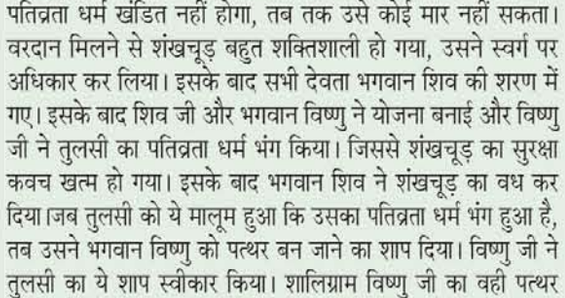

पौराणिक कथा है कि तुलसी गणेश जी से विवाह करना चाहती थी। तुलसी ने गणपति से विवाह करने की प्रार्थना की, लेकिन गणेश जी ने विवाह करने से मना कर दिया, क्योंकि वे ब्रह्मचारी रहना चाहते थे। गणेश जी के मना करने से तुलसी क्रोधित हो गई।

क्रोध में तुलसी ने गणेश जी को दो विवाह होने का शाप दे दिया। इस शाप की वजह से गणेश जी भी क्रोधित हो गए और उन्होंने भी तुलसी को शाप देते हुए कहा कि तुम्हारा विवाह एक असुर से होगा।

असुर से विवाह होने का शाप सुनकर तुलसी दुखी हो गई, उसने गणेश जी से अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांगी। तब गणेश जी ने कहा कि तुम्हारा विवाह शंखचूर्ण नाम के असुर से होगा, लेकिन तुम भगवान विष्णु को प्रिय रहोगी, तुम्हारी पूजा भी होगी, तुम्हारे बिना विष्णु पूजा अधूरी मानी जाएगी, लेकिन मेरी पूजा में तुलसी वर्जित रहेगी। इस शाप की वजह से गणेश जी की पूजा में तुलसी का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

शिव जी ने किया था तुलसी के पति शंखचूड़ का वध

शंखचूड़ एक असुर था। उसका विवाह तुलसी के साथ हुआ था। शंखचूड़ को वरदान प्राप्त था कि जब तक उसकी पत्नी तुलसी का पतिव्रता धर्म खंडित नहीं होगा, तब तक उसे कोई मार नहीं सकता। वरदान मिलने से शंखचूड़ बहुत शक्तिशाली हो गया, उसने स्वर्ग पर अधिकार कर लिया। इसके बाद सभी देवता भगवान शिव की शरण में गए। इसके बाद शिव जी और भगवान विष्णु ने योजना बनाई और विष्णु जी ने तुलसी का पतिव्रता धर्म भंग किया। जिससे शंखचूड़ का सुरक्षा कवच खत्म हो गया। इसके बाद भगवान शिव ने शंखचूड़ का वध कर दिया।जब तुलसी को ये मालूम हुआ कि उसका पतिव्रता धर्म भंग हुआ है, तब उसने भगवान विष्णु को पत्थर बन जाने का शाप दिया। विष्णु जी ने तुलसी का ये शाप स्वीकार किया। शालिग्राम विष्णु जी का वही पत्थर स्वरूप है और विष्णु जी ने तुलसी पौधे का रूप दे दिया और ये पौधा विष्णु जी को बहुत प्रिय हो गया। तभी से तुलसी के साथ शालिग्राम पूजन की परंपरा चली। शिव जी ने तुलसी के पति शंखचूड़ का वध किया था, इस कारण तुलसी ने खुद को शिव पूजा के लिए वर्जित किया था।

भगवान श्रीचन्द्र के आगे नतमस्तक हो जाते थे क्रूर शासक

उदासीनाचार्य जगद्गुरु श्री चन्द्र देव जी की जयंती पर विशेष

महंतश्री योगी प्रशांतदास महराज

विश्व-कल्याण के लिए अवतरित आध्यात्मिक विभूतियों ने अपने समय में जनमानस में धार्मिक एवं सामाजिक चेतना लाने के लिए एक सशक्त मार्ग धार्मिक यात्राओं का चुना था। गुरु नानक देव जी की धार्मिक यात्राओं का नाम दिया गया था उदासियां, उनकी चार उदासियां प्रसिद्ध हैं। महान पिता के महान सुपुत्र उदासीनाचार्य भगवान श्रीचन्द्र जी ने अपने जीवन में धर्म यात्राओं के मार्ग को ही अपनाया। श्रीचन्द्र जी ने अपनी यात्राओं के दौरान उस समय के क्रूर शासकों को अपने चमत्कार से प्रभावित कर अपने उपदेशों के माध्यम से शासक-धर्म क्या होता है, उसके विषय में बतलाया। श्रीचन्द्र जी काबुल, कंधार, अफगानिस्तान, भूटान आदि देशों की यात्रा कर लोगों को मानवता का संदेश दिया। उदासीनाचार्य जगदगुरु श्रीचन्द्र देव जी का जन्मोत्सव इस बार 1 सितम्बर को है। श्रीचन्द्रदेव जी का प्रादुर्भाव जन्मोत्सव भाद्रपद शुक्ल पक्ष की नवमी संवत 1551 को हुआ था। चन्द्र देव जी का जन्म लाहौर की खड़गपुर तहसील के तलवंडी नामक स्थान में श्रीगुरु नानकदेव जी की पत्नी सुलक्षणा देवी के घर हुआ था। इनका जन्म निवृत्ति प्रधान सनातन धर्म के प्रचारक एवं पुनरुद्धार के लिए हुआ था। इनके जन्म से ही सिर पर जटाएं, शरीर पर भस्म तथा दाहिने कान में कुंडल शोभित था। इनके भस्म विभूषित विग्रह को देखकर दर्शनार्थी आपको शिवस्वरूप मानकर श्रद्धा से पूजते थे। आचार्य श्रीचन्द्र देव जी बचपन से ही वैराग्य वृत्तियों से युक्त थे। ऋद्धि-सिद्धियाँ उनके हाथ जोड़े हुए सेवा में सदैव तत्पर रहती थीं। ग्यारहवें वर्ष के हुए तब उनका पंडित हरिदयाल शर्मा के द्वारा यज्ञोपवीत संस्कार (जनेऊ संस्कार सम्पन्न हुआ। आचार्य श्रीचन्द्रदेव जी वैदिक कर्मकाण्ड के पूर्ण समर्थक थे। उन्होंने ज्ञान-भक्ति के श्रेष्ठ सिद्धांत को

प्रतिपादित किया। उन्होंने करामाती फकीरों, सूफी संतों, अघोरी तांत्रिकों और विधर्मियों को अपनी अलौकिक सिद्धियों और उपदेशों से प्रभावित कर वैदिक धर्म की दीक्षा भी दी थी। आपने उस समय के परम ज्ञानी वेदवेत्ता विद्वान, कुलभूषण, कश्मीर मुकुटमणि पंडित श्री पुरुषोत्तम कौल जी से वेद-वेदांग और शास्त्रों का गहन अध्ययन किया। अद्वितीय प्रतिभा के सम्पन्न होने के कारण आपने बहुत ही कम समय में सारी विधाएं आत्मसाध कर ली थीं। आपने भगवान बुद्ध की तरह लोकभाषा में उपदेश दिया था। भाष्यकार आदि गुरु शंकराचार्य जी की तरह वेदों का भाष्य किया तथा कबीर आदि संतों की तरह वाणी साहित्य की रचना भी की थी। ब्रह्माडम्बर, मिथ्याचार अवैदिक मत-मतान्तरों, पाखंडों का खंडन कर श्रुति-स्मृति सम्मत आचार-विचार की प्रतिष्ठा की। भावात्मक एवं वैचारिक धरातल पर जीव मात्र की एकता का प्रतिपादन किया। जाति-पांति, ऊँच-नीच, छोटे-बड़े के भेदभाव को समाप्त कर मानव मात्र को मुक्ति की राह दिखाई थी। उनका उदघोष था चेतहु नगरी, तारहु गाँव अलख पुरुष का सिमरहु नांव।। आचार्य देव के थे चारों शिष्य श्री अलिमस्त साहेब जी, श्री बालूहसना साहेब जी, श्री गोविन्ददेव साहेब जी एवं श्री फूलसाहेब जी को चारों दिशाओं उत्तर, पूरब, दक्षिण एवं पश्चिम के प्रतीक चार धूना के नाम से सुशोभित किया। जिनकी परम्परा स्वरूप आज भी चार मुख्य महंत होते हैं। धूणे के रूप में वैदिक यज्ञोपासना को नया रूप दिया तथा निर्वाण साधुओं के रहने का आदर्श प्रतिपादित कर निवृत्ति प्रधान धर्म की प्रतिष्ठा की। भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए शैव, वैष्णव, शाक्त, सौर तथा गणपत्य मतावलंबियों को संगठित कर पंचदेवोपासना की प्रतिष्ठा की। हिन्दू धर्म की महिमा समझाई। वैचारिक वाद-विवाद को मिटाकर सत्य सनातन धर्म को समन्वय का विराट सूत्र प्रदान किया। उन्होनें कहा-रनिवैर संध्या दर्शन छापा वाद-विवाद मिटावै आपा"। शिव रूप होकर आज भी भक्तों और श्रद्धालु आसितकों की मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। 150 वर्षों तक धराधाम पर रहकर अंतिम क्षणों में ब्रह्मकेतु जी को उपदेश दिया और रावी में शिला पर बैठकर पार गये तथा चम्बा नामक जंगल में विक्रम संवत 1700 पौष मास कृष्ण पंचमी को अंर्तध्यान हो गए।

गणेश उत्सव के दौरान गणपति के 8 पावरफुल मंत्रों का करें जप

हिन्दू धर्म में होली-दीवाली की तरह गणेश चतुर्थी का विशेष महत्व है। पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है।इस बार गणेश चतुर्थी 27 अगस्त से 06 सितंबर तक है।

यह उत्सव पूरे 10 दिन तक यानी गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक मनाया जाता है।धार्मिक मान्यता है कि गणेश चतुर्थी के त्योहार को गणपति बप्पा के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है।इस खास अवसर पर भक्त अपने-अपने घरों में गणपति प्रतिमा की स्थापना और पूजा करते हैं।लेकिन, आपको बता दें कि, विघ्नहर्ता की पूजा कुछ मंत्रों के जाप के बिना अधूरी है।ऐसा करने से गणेशजी का आशीर्वाद मिलता है। आइए जानते हैं इन पावरफुल मंत्रों के बारे में-

गणेशजी को प्रसन्न करने के लिए करें इन मंत्रों का जाप

'ऊं गं गणपतये नमः'

गजानंद एकाक्षर मंत्र' सरल उपाय

'गजानंद एकाक्षर मंत्र' भगवान गणेश के सबसे सरल और प्रभावी मंत्रों में एक है।इस मंत्र के उच्चारण मात्र से ही भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।बुधवार के दिन पूजा के दौरान आप इस मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करें।इससे आपके हर कार्य सफल होंगे और सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी.

'ओम नमो भगवते गजननाय'

इस मंत्र के जाप से पूर्व हरे रंग की गणेश मूर्ति उत्तर दिशा में मुख करके स्थापित करना चाहिए।गणपति की पूजा के बाद लाल आसन पर बैठकर 11 दिन इस मंत्र का जाप करें।ऐसा करने से आपको गणेश जी की कृपा होगी.साथ ही, धन की समस्या भी दूर होगी।

'सिद्ध लक्ष्मी मनोहरप्रियाय नमः' या 'महालक्ष्मी प्रियतमाय नमः'

ये दोनों मंत्र भी अपार धन-दौलत की प्राप्त के लिए हैं।आपको गणेश जी और माता लक्ष्मी पूजा के बाद इन दोनों गणेश मंत्र का जाप 108 बार करना चाहिए।इन मंत्रों के जाप से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, दरिद्रता दूर होती है।

'ऊं वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभः। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा।।'

अर्थ-गणेश जी का ये मंत्र सबसे अधिक लोकप्रिय है।इस मंत्र का अर्थ ये है कि जिनकी सुंड घुमावदार है, जिनका शरीर विशाल है, जो करोड़ सूर्यों के समान तेजस्वी हैं, वहीं भगवान मेरे सभी काम बिना बाधा के पूरे करने की कृपा करें।इससे बप्पा प्रसन्न होते हैं और आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

'ऊं श्रीं गं सौम्याय गणपतये वर वरद सर्वजनं में वशमानय स्वाहा।।'

यह मंत्र समाज में मान प्रतिष्ठा दिलाता है।अगर आप कई प्रयासों के बाद भी नौकरी सफल नहीं हो रहे तो आपको रोजाना इस मंत्र का जाप 108 बार करना है।इस उपाय को करने से व्यक्ति की नौकरी की समस्या तुंरत हल हो जाती है।

'ऊं एकदन्ताय विहे वक्रतुण्डाय धीमहि तन्नो दन्तिः प्रचोदयात।।'

श्री गणेश गायत्री मंत्र को फलदायी माना जाता है।बुधवार की पूजा में इस मंत्र का 108 बार जाप करने से व्यक्ति का भाग्य चमकता है और सभी कार्य अनुकूल सिद्ध होते हैं।साथ ही भगवान गणेश की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है.

'ऊं नमो गणपतये कुबेर येकद्रिको फट् स्वाहा।।'

गणेश कुबेर मंत्र आप प्रतिदिन या बुधवार की पूजा में एक माला (108 बार) जाप करें। इससे आर्थिक समस्या दूर होती है और कर्ज से भी मुक्ति मिलती है।

मानव शरीर, हमारी संतानें और परिवार प्रसाद ही हैं

शरीर, संतानें और गृहस्थी परमात्मा का प्रसाद है और प्रसाद के साथ छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। आजकल दुनिया के कुछ हिस्सों में महिलाएं एग फ्रीजिंग करवा रही हैं और शादी के बाद उसको प्रयोग में लेंगी। ये मानव आचरण के साथ सीधी छेड़छाड़ है और इसके परिणाम परिवारों को भुगतने पड़ेंगे। भारत का जो पारिवारिक ढांचा है, उसको 10-15 साल में अलग और अजीब किस्म के धक्के लगने वाले हैं।

श्रीराम के जन्म के पूर्व हुए यज्ञ में जो खीर निकली थी, उसका बंटवारा हुआ था।

कैकेयी के हाथ में खीर का पात्र था। उनके मन में विचार आया कि ये बंटवारा ठीक नहीं है। तो मन में उथल-पुथल शुरू हुई। और जिस समय प्रसाद प्राप्त करना था, वो किया नहीं तो एक चील ने उस पर झपट्टा मारा। एक हिस्सा चील के पास चला गया।

यहां समझने वाली बात यह है कि कैकेयी प्रसाद लेते समय अशांत थीं और समय का दुरुपयोग कर रही थीं। इसी तरह हम भी समझें कि शरीर, संतानें और परिवार प्रसाद ही हैं। इनके साथ छेड़छाड़ ना करिए।

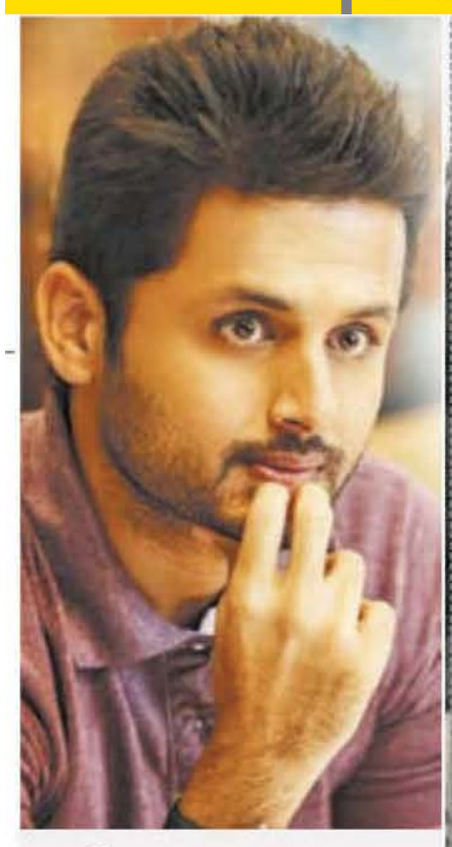

रॉबिनहुड में नजर आएगी नितिन श्रीलीला की जोड़ी

नितिन की फिल्म रॉबिनहुड 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन फिल्म की रिलीज से पहले इसके ओटीटी और सैटेलाइट तय कर दिए गए हैं। इस फिल्म का निर्देशन वेंकी कुडुमुला ने किया है। इन दिनों रॉबिनहुड की पूरी स्टार कास्ट फिल्म का प्रचार कर रही है। यही वजह है कि हाल ही में इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे क्रिकेटर डेविड वार्नर भी फिल्म के प्रचार के लिए हैदराबाद पहुंच चुके हैं। एक खबर के मुताबिक, जी ने फिल्म के पोस्ट-थियेट्रिकल अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं। ओटीटी स्ट्रीमिंग अधिकार जी5 के पास हैं, जबकि जी तेलुगु के पास इस फिल्म के सैटेलाइट अधिकार हैं। रॉबिनहुड के सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फैंस को पूरी उम्मीद है कि यह फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी।

रॉबिनहुड में नजर आएंगे डेविड वार्नर

रॉबिनहुड एक एक्शन कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें नितिन, श्रीलीला के अलावा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वार्नर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। नितिन, श्रीलीला और डेविड के अलावा फिल्म में राजेंद्र प्रसाद, वेनेला किशोर अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स के तहत किया गया है। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म में केतिका शर्मा का एक स्पेशल सॉन्ग भी है। नितिन और श्रीलीला के फैंस को रॉबिनहुड की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

सिर्फ एक्टिंग नहीं, किरदार को भी जीती हूं

रश्मिका मंदाना की पिछली तीन फिल्मों ने 500 करोड़ से अधिक की कमाई की। आगे वह सिंकदर और द गर्लफ्रेंड में भी दिखेंगी। उनसे फिल्मों और करियर पर हुई बातचीत...

2016 में करियर की शुरुआत की थी। इतने समय में क्या कुछ सीखा और बदलाव पाया?

मैंने इन सालों में बहुत कुछ सीखा। मुझे लगता है कि आज मेरे काम में एक आत्मविश्वास है। शुरुआती दिनों में मैं परफॉर्म तो करती थी लेकिन अपने क्राफ्ट को लेकर उतनी श्योर नहीं थी। लोग कहते थे कि मैं प्रिटी लगती हूं, स्क्रीन पर प्लीजिंग लगती हूं और डिलीवर कर सकती हूं लेकिन किन मैं खुद को लेकर बहुत क्लियर नहीं थी। आज, मुझे लगता है कि मैं किसी भी भीड़ में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच सकती हूं। जब मैं स्क्रीन पर होती हूं तो लोग मुझ पर फोकस करते हैं। ये मेरे लिए एक बड़ा बदलाव है।

छावा एक बड़ी हिट रही। किरदार में ढलने के लिए क्या रिसर्च की थी?

छावा के लिए मेरी तैयारी किसी महारानी की तरह ही शाही रही थी। लक्ष्मण उतेकर सर से कहा, जो आप कहेंगे, मैं करूंगी। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती लैंग्वेज थी। हिंदी मेरी मातृभाषा नहीं है लेकिन ऑडियंस के लिए इसे सीखना मेरा फर्ज था। संवादों के लिए मैंने हर दिन 3-4 घंटे मेहनत की। यह सिलसिला पांच महीनों तक चला। मेरे लिए यह सिर्फ किरदार निभाने की बात नहीं थी, बल्कि उस किरदार की आत्मा को जीने की कोशिश थी।

द गर्लफ्रेंड के बारे में कुछ शेयर करेंगी?

द गर्लफ्रेंड के बारे में... बहुत कुछ एक्साइटिंग है। मुझे लगता है कि यह एक अनोखी कहानी है। यह एक कॉन्सेप्ट है जो आज के समय की बात करता है। यह फिल्म मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है क्योंकि यह मेरी पहली सोलो फिल्म है। मैं इसे अपनी बेबी फिल्म मानती हूं और इसके लिए पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है। कहानी को परदे पर लाने के लिए हमारी कड़ी मेहनत और जुनून साफ दिखाई देगा। मुझे यकीन है कि यह ऑडियंस को प्रभावित करेगी। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि यह मेरी एक और चुनौतीपूर्ण जर्नी होगी।

ओडेला 2 में भैरवी के किरदार को खुद के लिए भाग्यशाली मानती हैं तमन्ना

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं तमन्ना भाटिया हाल ही में अपनी नई फिल्म ओडेला 2 को लेकर खास बातचीत की।

हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट के दौरान तमन्ना और फिल्म के क्रिएटिव सुपरवाइजर संपत नंदी और फिल्म के निर्माताओं ने मीडिया से बात की। तमन्ना ने बताया कि वह फिल्म में भैरवी का किरदार निभा रही हैं और इसे बहुत खास मानती हैं।

ओडेला 2, 17 अप्रैल को रिलीज होगी

एक खबर के मुताबिक, तमन्ना ने कहा कि वह ओडेला 2 में भैरवी का किरदार निभाकर खुद को भाग्यशाली मानती हैं। तमन्ना ने कहा, मुझे पहली फिल्म बहुत पसंद आई थी। ओडेला 2 की कहानी बहुत रोमांचक है। गांव की पृष्ठभूमि में इस तरह की कहानी बनाना आसान नहीं है, लेकिन निर्देशक अशोक तेजा ने कमाल कर दिखाया। निर्माता डी मधु ने भी इसे बहुत मेहनत से बनाया है। यह फिल्म दर्शकों को थिएटर में शानदार अनुभव देगी। हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म का टीजर महाकुंभ मेले के दौरान जारी किया गया था। फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर अप्रैल के पहले हफ्ते में रिलीज होने की उम्मीद है। इस फिल्म में तमन्ना नागा साधु के अवतार में नजर आएंगी। ओडेला 2 का निर्माण डी मधु ने अपने मधु क्रिएशन्स बैनर के तहत संपत नंदी टीमवर्क्स के सहयोग से किया है।

ओडेला 2 में नजर आएंगी तमन्ना

अशोक तेजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 2019 में आई ओडेला रेलवे स्टेशन का दूसरा भाग है, जो एक सुपरनैचुरल थ्रिलर थी। फिल्म में तमन्ना भाटिया के अलावा हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन सिम्हा भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हुए वरुण धवन

हाल ही में वरुण धवन अपनी फिल्म की शूटिंग करते वक्त घायल हो गए हैं, जिससे उनको चोट आई है। अभिनेता ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया पर दी है और दर्शकों से अपनी चोट को लेकर सवाल भी किया है।

काम के दौरान लगी चोट

वरुण धवन को शूटिंग के दौरान चोट लग गई है, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर दी है। अभिनेता ने बुधवार को स्टोरी के जरिए बताया कि उन्हें उंगली में चोट लग गई है। साथ ही उन्होंने अपने प्रशंसकों से सवाल किया कि आपकी उंगली को ठीक होने में कितना समय लगता है। इसके अलावा वरुण ने लिखा कि हैशटैग काम के दौरान की चोट। इस तस्वीर में उनकी उंगली में सूजन दिखाई दे रही है।

कई प्रोजेक्ट्स हैं वरुण के पास

वरुण धवन के पास इस समय कई फिल्में हैं, जो लाइन में लगी हुई हैं। हाल ही में अभिनेता ने जान्हवी कपूर के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग पूरी की। अब वे बॉर्डर 2 पर फोकस करने से पहले है जवानी तो इश्क होना है की शूटिंग में जुट गए हैं।

फिल्म का पहला शेड्यूल किया पूरा

अभी कुछ दिनों पहले ही वरुण धवन ने है जवानी तो इश्क होना है की देहरादून की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म का निर्देशन वरुण के पिता डेविड धवन कर रहे हैं और इसमें पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता आखिरी बार बेबी जॉन फिल्म में नजर आए थे।

पर्दे के साथ-साथ बॉक्स ऑफिस पर रणबीर से भिड़ेंगे यश

इस साल ईद के मौके पर सलमान खान की फिल्म सिकंदर रिलीज होने वाली है। अगले साल ईद के मौके पर दो फिल्में रिलीज होने वाली हैं। एक फिल्म 26 मार्च 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का नाम टॉक्सिक है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार यश हैं। दूसरी फिल्म लव एंड वार है। यह फिल्म भी ईद के आस-पास ही रिलीज होने वाली है। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर नजर आएंगे। ऐसे में अगले साल यश और रणबीर कपूर की फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर टकराव देखने को मिल सकता है। यश को फिल्म केजीएफ से पूरे देश में शोहरत मिली। उम्मीद की जा रही है कि वह टॉक्सिक में भी अपनी पहले वाली छवि लेकर आएंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसने अपने एलान के बाद से ही फैंस में काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। दूसरी तरफ लव एंड वार फिल्म है। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर नजर आएंगे। फिल्म में जबरदस्त विजुअल होंगे। फिल्म में भरपूर रोमांस और ड्रामा होगा। मजे की बात ये है कि यह पहली ऐसी जगह नहीं है जहां रणबीर और यश एक दूसरे से भिड़ेंगे।

पर्दे पर यश से भिड़ेंगे रणबीर

दोनों अभिनेता नितेश तिवारी की रामायण में राम और रावण का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन लड़ाई भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार क्षणों में से एक होने वाली है। ये फिल्म 2026 रिलीज होने वाली है। कई जानकारों ने उम्मीद जताई है कि जिस तरह से ये दोनों अभिनेता ऑनस्क्रीन लड़ाई करते नजर आएंगे, उसी तरह से इन दोनों की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लड़ाई करती नजर आएंगी। इससे साल 2026 फिल्म देखने वालों के लिए एक यादगार लम्हा होने वाला है।

इस ईद पर रिलीज होगी सिकंदर

आपको बता दें कि इस ईद के मौके पर को सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर रिलीज होने वाली है। फिल्म में सलमान खान के अलावा रश्मिका मंदाना, सुनी शेट्टी और शर्मन जोशी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगदास ने किया है। फिल्म के टीजर और गाने ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ऋतिक रोशन की तारीफ की

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने उनके साथ सेट पर हुए कई किस्सों को लेकर खुलासा किया। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ऋतिक रोशन की तारीफ की और बताया कि कैसे ऋतिक रोशन उनसे अलग और अनोखे दिखते हैं। एक खबर के मुताबिक, नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्हें अक्सर अपनी ही फिल्म के सेट पर रोक दिया जाता था। उन्हें भीड़ में घुलने-मिलने में मजा आता है। शुरुआती दिनों में जब वे ऑडिशन के लिए जाते थे, तो लोग कहते थे कि वे अभिनेता जैसे नहीं दिखते। इससे उन्हें गुस्सा और दुख होता था। वे कहते हैं कि लोग उनसे पूछते थे, आप कौन हैं? और जब वे बताते कि वे अभिनेता हैं, तो लोग कहते, आप तो अभिनेता जैसे दिखते नहीं।

ऋतिक रोशन को लेकर की बात

एक खबर के मुताबिक, इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने कहा, आप अपरंपरागत दिखते हैं। भाई, मैं अपरंपरागत कैसे हो सकता हूं, जब भारत में करोड़ों लोग मेरे जैसे दिखते हैं। मैं पारंपरिक हूं, यह ऋतिक रोशन हैं जो अपरंपरागत दिखते हैं। इंटरव्यू के दौरान नवाजुद्दीन ने फिल्म तलाश का एक किस्सा सुनाया। तलाश की शूटिंग के दौरान एक गार्ड ने उन्हें सेट में घुसने से रोक दिया था। गार्ड को समझाने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। वे कहते हैं कि आज भी उनके साथ ऐसा होता है। हाल ही में रात अकेली है पार्ट 2 की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर हनी त्रेहान उन्हें ढूंढते थे, जबकि वे उनके ठीक पीछे खड़े होते थे। नवाजुद्दीन को यह सब अच्छा लगता है। वे कहते हैं कि उनका ऐसा स्वभाव है और वे इसका फायदा उठाते हैं।

रंग को लेकर बताई खास बात

पहले एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने रंग और शक्ल को लेकर लोगों के बुरे बर्ताव के बारे में भी बात की थी। नवाजुद्दीन ने कहा कि लोग उन्हें हमेशा कहते हैं कि वे बदसूरत हैं। दुख की बात यह है कि अब वे भी इस पर यकीन करने लगे हैं। वे कहते हैं, कुछ लोग मेरी शक्ल से नफरत क्यों करते हैं, पता नहीं। शायद इसलिए कि मैं इतना बुरा दिखता हूं। मैं खुद को आईने में देखता हूं तो सोचता हूं कि इतनी खराब शक्ल लेकर फिल्म इंडस्ट्री में क्यों आया?

सिकंदर और एल 2 एम्पुरान में कोई कंपटीशन नहीं

पृथ्वीराज सुकुमारन के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म एल2- एम्पुरान 27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म सलमान खान की एक्शन ड्रामा सिकंदर के साथ बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेगी, जो 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में पृथ्वीराज सुकुमारन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दोनों फिल्मों के बीच कोई कंपटीशन नहीं है साथ ही उन्होंने सिकंदर की सफलता की कामना भी की। पृथ्वीराज ने कहा, सलमान खान देश के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं और दोनों फिल्मों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह एक ब्लॉकबस्टर बनेगी। उन्होंने कहा, अगर आप सुबह 11 बजे एल2- एम्पुरान और दोपहर 1 बजे सिकंदर देखते हैं तो मुझे कोई शिकायत नहीं होगी। सिकंदर का निर्देशन मुरुगादॉस ने किया है। 'एल2- एम्पुरान' लूसिफर का दूसरा भाग है।

पंचायत चुनाव में 12 करोड़ से अधिक मतदाता डालेंगे वोट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवध विहार योजना में उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के आधुनिक कार्यालय भवन का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भवन पारदर्शी और सुव्यवस्थित निर्वाचन व्यवस्था को नई मजबूती देगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाएगा। करीब 50 करोड़ की लागत से बनने वाला यह भवन 2618.59 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैला होगा और इसमें स्टिल्ट फ्लोर सहित कुल छह मंजिलें होंगी। भवन की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए छत पर 25,000 लीटर क्षमता का आरसीसी टैंक और भूमिगत स्तर पर एक लाख लीटर क्षमता का अंडरग्राउंड टैंक स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि जनता हमारे लिए केवल जतना नहीं बल्कि जनार्दन है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश से ही भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग का स्वयं का भवन होना लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव की विशाल प्रक्रिया को आयोग अब और बेहतर तरीके से संपन्न कर सकेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था में अकेले 12 करोड़ से अधिक मतदाता मतदान में भाग लेते हैं, जो किसी भी अन्य राज्य की कुल आबादी से अधिक है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 57,600 ग्राम पंचायतें, 826 क्षेत्र पंचायतें और 75 जिला पंचायतें हैं।

50 करोड़ की लागत से बनेगा छह मंजिला राज्य निर्वाचन आयोग का भवन : मुख्यमंत्री

वहीं, 17 नगर निगम, 199 नगर पालिकाएं और 544 नगर पंचायतें भी हैं, जिनके साथ 14,000 से अधिक पार्षदों के चुनाव की जिम्मेदारी भी राज्य निर्वाचन आयोग ही निभाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है तो उसमें उत्तर प्रदेश की यह व्यापक चुनावी प्रक्रिया अहम भूमिका निभाती है।

योगी आदित्यनाथ ने लोकतंत्र की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा कि जनता केवल मतदाता नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की जनार्दन है। उसकी आवाज को सुनना और महत्व देना ही जनप्रतिनिधियों का दायित्व है। यदि कोई जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं की अनदेखी करता है तो पांच साल बाद जनता उसे नकार देती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है और इसी व्यवस्था ने भारत को एक सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है और इसके लिए विकसित उत्तर प्रदेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और निर्वाचन व्यवस्था का मजबूत होना ही इस दिशा में सबसे बड़ी गारंटी है।

उन्होंने कहा कि अब तक राज्य निर्वाचन आयोग किराए के भवन से कामकाज कर रहा था, जिससे कई प्रकार की कठिनाइयां आती थीं, लेकिन अब नए भवन के निर्माण से आयोग को कामकाज में और गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि राजकीय निर्माण निगम 18 महीनों से भी कम समय में इस छह मंजिला आधुनिक भवन का निर्माण पूरा कर देगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश देश के उन चुनिंदा राज्यों में शामिल होगा जिनके पास निर्वाचन आयोग का स्वयं का भवन होगा।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर, राज्य निर्वाचन आयुक्त राजन प्रताप सिंह, यूपी महिला आयोग की अध्यक्ष, एससी-एसटी आयोग की अध्यक्ष, पंचायती राज्य आयोग के अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा के दि वेडिंग डॉट में आयोजित श्री श्याम गुणगान महोत्सव के दौरान शिरकत करते नोएडा के विधायक व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह, भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, अमित त्यागी, कारतार चौहान, अशोक मिश्रा आदि। इस दौरान सभी ने विधिवत पूजा-अर्चना में भाग लिया तथा कन्हैया मित्तल के भजनों का लुत्फ भी उठाया।

उत्तर प्रदेश में कानून का राज खत्म हो चुका है : कांग्रेस

नोएडा (चेतना मंच)। जिले में पिछले एक दो महीनों से बढ़ रहे अपराध और हत्याओं को लेकर जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन सैक्टर-52 स्थित पार्टी कार्यालय में किया गया। प्रवक्ता पवन शर्मा ने पत्रकार वार्ता शुरू करते हुए बताया कि जिले एवं शहर में दिनों दिन अपराधी बेलगाम हो रहे हैं और थानों में कोई शिकायत दर्ज नहीं हो रहीं हैं।

प्रेसवार्ता में महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि जो रामराज्य लाने की बातें करते थे आज वो बताएं कि महिलाओं के प्रति अपराधों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी सिर्फ उत्तर प्रदेश में हुई है। जो महिलाओं की सरंक्षण की बातें करते हुए सत्ता में आसीन हुए हैं आज वो बलात्कारियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। जाति और धर्म पूछ पूछ कर सरकारी काम हो रहे हैं।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी ने कहा कि जिले में पिछले एक दो महीने में कई अपराधिक घटनाएं हुई हैं। उन्होंने बताया कि एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में महिलाओं और दलितों के खिलाफ अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। जिसमें अभी ताजा मामला निक्की की हत्या का है। कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे और बच्चियां कॉलेज प्रशासन की यातना से परेशान होकर आत्म हत्या को मजबूर हुए हैं लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है। पुलिस प्रशासन उन कॉलेज प्रशासन के लोगों को बचाने का काम कर रहे हैं। पिछले दिनों पत्रकार से नोएडा में चेन और अन्य सामान दिन दहाड़े लूट लिया जाता है। नकली पुलिस थाना पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे नोएडा में चलाया जाता है। साइबर क्राइम के सबसे ज्यादा शिकार नोएडा के लोगों को बनाया जा रहा है। फेक इनकाउंटर करके जनता को भ्रमित किया जा रहा है। उक्त घटनाएं यह बात स्पष्ट करती हैं कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज खत्म हो चुका है।

प्रेस वार्ता में अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी, वरिष्ठ नेता फिरे सिंह नागर, संजय तनेजा, बागपत प्रभारी सतेंद्र शर्मा, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष गौतम अवाना, जिला संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा, शहर संगठन प्रभारी ललित अवाना, महासचिव दयाशंकर पांडेय, रामकुमार शर्मा, विक्रम चौधरी, मजहर हुसैन, एस एस सिसोदिया एवं सुबोध भट्ट सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गणपति डांस फेस्टिवल 2025 का आयोजन कल ग्रेटर नोएडा में

नोएडा (चेतना मंच)। रॉयल स्पून द्वारा गणपति डांस फेस्टिवल-2025 का आयोजन रविवार, 31 अगस्त 2025 को रॉयल स्पून पार्टी लॉन, मेट्रो डिपो स्टेशन के निकट, जुनपत, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा।

इस उत्सव का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों एवं परिवारों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से एक साथ जोड़ना तथा गणपति उत्सव की परंपरा को और अधिक जीवंत बनाना है। आयोजन की प्रमुख आकर्षण गतिविधियाँ होंगी लाइव म्यूजिक एवं डांस प्रस्तुति (निःशुल्क), फूड स्टॉल्स (सशुल्क), बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियाँ जैसे बाउंसी एवं टेटू, परिवारों के लिए मनोरंजन एवं सामूहिक सहभागिता कार्यक्रम में प्रवेश केवल पास धारकों को ही दिया जाएगा। पास स्थल पर उपलब्ध हैं तथा सभी अतिथियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इनकी संख्या सीमित रखी गई है। प्रवेश प्रथम आओ, प्रथम पाओ के आधार पर होगा। आयोजक समिति ने आमजन से अपील की है कि वे अपने परिवार सहित इस सांस्कृतिक आयोजन में सम्मिलित होकर गणपति उत्सव की भव्यता में योगदान दें।

सेक्टर-12 के वी ब्लॉक में गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना करते सांसद प्रतिनिधि संजय बाली व एवरग्रीन आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष पुनीत शुक्ला।

अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश एडवोकेट पं. पीतांबर शर्मा ने लखनऊ के गोमती नगर स्थित पूर्व मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक मिश्रा के आवास पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक विषयों पर भी चर्चा हुई।

विश्व भारती पब्लिक स्कूल में छात्र अलंकरण समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व भारती पब्लिक स्कूल नोएडा में छात्र अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि रणवीर सिंह (भूतपूर्व जॉइंट कमिश्नर एडमिन केंद्रीय विद्यालय संगठन) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सर्वप्रथम गणेश वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की सुप्रीम काउंसिल के छात्रों को, और शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को बैज प्रदान किए गए।

प्रतिवर्ष छात्र काउंसिल के सदस्यों का चुनाव किया जाता है। इससे छात्रों में अपनी नैतिक जिम्मेदारियों के प्रति कर्तव्य की भावना जागृत होती हैं। इसमें विद्यालय के हेड बॉय अनमोल श्रीवास्तव, हेड गर्ल लक्षिता सक्सैना, प्रेसिडेंट आस्था चुघ, वाइस हेड गर्ल अहाना अग्रवाल, तथा वाइस हेड बॉय प्रणीत उन्नीकृष्णन, मिडिल हेड बॉय अद्वित, हेड गर्ल नायशा, प्राइमरी हेड बॉय विनायक हेड गर्ल आश्रिया सहित 30 छात्रों को बैज देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नृत्य भी छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रधानाचार्या श्रीमती अमिता गंजू ने उपस्थित मुख्य अतिथि एवं समस्त अभिभावकों का अभिवादन किया तथा सीनियर विभाग प्रमुख श्रीमती ज्योति धर ने सभी का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com